राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 10 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–228 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत, चीन और रूस मिलकर चांद पर बनाएंगे न्यूक्लियर प्लांट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत,चीन और रूस एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। खबर है कि चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए दोनों देश रूस के साथ काम करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर भारत या चीन सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि यह ऐसे समय पर हो रहा, जब भारत साल 2040 तक चांद पर इंसान को भेजने और बेस स्थापित करने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में बताया है कि इस बात का जिक्र रोसेटोम चीन एलेक्सी लिखाचेव ने किया है। खास बात है कि रोसेटोम रूस की न्यूक्लियर एजेंसी कॉर्पोरेशन है, जिसका भारत के साथ संबंध है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, व्लादिवोस्तक में एक कार्यक्रम के दौरान लिखाचेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भागीदारी के साथ हमारे चीनी और भारतीय साझेदार भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं।रोसेटोम की अगुवाई वाले इस पावर प्रोजेक्ट के तहत छोटा न्यूक्लियर प्लांट तैयार करना है। यह प्लांट बेस की जरूरत के हिसाब से ऊर्जा तैयार कर सकेगा। लिखाचेव ने कहा कि भारत और चीन इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहते हैं। खास बात है कि रिएक्टर रूस और चीन के साझा प्रयासों से बनाए जा रहे बेस को ऊर्जा देगा।

इंफाल में पुलिस के खिलाफ सड़कों पर लोग

इंफाल । मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन हमलों की निंदा कर रैली निकालने के बाद, इंफाल में राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले के निकट पहुंचे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। हजारों लोगों ने टिडिम रोड पर तीन किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया और जब पुलिस ने उन्हें रोका, तब वे कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र की ओर बढ़ गए। राज्य और केंद्रीय बलों की एक टुकड़ी ने सड़क पर अवरोधक लगा दिए। घटनास्थल पुलिस मुख्यालय, राज्य सचिवालय और भाजपा कार्यालय के निकट है। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा हाल में किए गए ड्रोन हमलों की निंदा करते हुए नारे लगाए और घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने में अधिकारियों की ''अक्षमता'' की निंदा की। उन्होंने ड्रोन हमलों को रोकने में कथित रूप से विफल रहने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक को पद से हटाने की मांग करते हुए नारे लगाए।

अमेरिका में रोजगार समस्या का जिक्र करना राहुल का गैरजिम्मेदाराना बयानः बीजेपी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका दौर पर हैं वह वहां प्रवासी भारतीय से कई मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। वहीं टेक्सास में राहुल गांधी के दिए बयान पर बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि राहुल गांधी ने चीन का जिक्र करके देश को बता दिया है कि उन्हें चीन से कितनी मोहब्बत है, जबकि पूरा देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहा है। राहुल गांधी ने भारत में रोजगार की समस्या का जिक्र करना दिखाता है कि वह भारत के बारे में क्या सोचते हैं। पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद आज लाखों रोजगार पैदा हो रहे हैं, लेकिन आज रोजगार की समस्या है तो इसका कारण है कांग्रेस अपने लंबे समय के शासन में ऐसी व्यवस्था नहीं कर पाई जितनी जनसंख्या बढ़े उसी अनुपात में रोजगार पैदा हो। इसके बावजूद पीएम मोदी ने दस साल में रोजगार के नए आयाम स्थापित किए हैं, जहां उन्होंने विश्वकर्मा योजना, स्वनिधि योजना आदि के जरिए रोजगार सृजन का बेहतरीन काम किया है। राहुल गांधी को समझना चाहिए कि वह क्या, कब और कहां कह रहे हैं। अगर विपक्ष के नेता इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देंगे तो जनता इसका जवाब देगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल बाग के राजा के चरणों में मत्था टेका

- देर रात मुख्यमंत्री तथा उप मुख्यमंत्रियों के साथ की बैठक

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे। उन्होंने लालबाग के राजा के आगे माथा टेका। मालूम हो कि अमित शाह अपने परिवार के साथ हर साल लाल बाग के राजा के चरणों में मत्था टेकने मुंबई आते हैं। इसके बाद वह गणपति बप्पा के दर्शन के लिए उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के घर पहुंचे। रविवार देर रात मुंबई स्थित सहयाद्री राजकीय अतिथि गृह में गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बैठक की। भाजपा सूत्रों की मानें तो इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न सरकारी योजनाओं को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई। साथ ही सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से हाल ही में दिए गए विवादास्पद बयानों पर भी शायद चर्चा हुई। इसके अलावा सीटों के बंटवारे पर भी मंथन हुआ।

मणिपुर हिंसा की आंच राजभवन तक पहुंची

ड्रोन हमलों के खिलाफ छात्रों ने किया प्रदर्शन, पथराव, 20 घायल

-सुरक्षाकर्मियों को जान बचाने भागना पड़ा

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा की आंच अब राजभवन तक पहुंच गई है। राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने राजभवन पर पत्थरबाजी कर दी। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों को जान बचाने यहां-वहां भागना पड़ा है। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बैरिकेड लगाकर रोकने की कोशिश की। वहीं कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे और रबर बुलेट का इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई में करीब 20 छात्र घायल हो गए।

गौरतलब है कि मैतेई समुदाय से आने वाले छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं के खिलाफ 8 सितंबर से ही प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में उनका साथ स्थानीय लोगों ने भी दिया है। किशमपट के टिडिम रोड पर रविवार को करीब 3 किमी तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी छात्र राजभवन और मुख्यमंत्री निवास तक पहुंच गए थे। प्रदर्शनकारी राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना चाह रहे थे। छात्रों की ज्ञापन सौंपने वाली मांग को सोमवार के दिन सुरक्षाबलों ने पूरी कर दी, लेकिन छात्र सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती तब तक वे यहीं डटे रहेंगे। इसी दौरान छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प भी हो गई। बैरिकेड लगाकर सुरक्षाबलों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को रोकने की कोशिश की। मामला बढ़ता देख सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर बुलेट का इस्तेमाल करते हुए छात्रों को तितर-बितर करने की कोशिश। ऐसे में प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 20 छात्र घायल हुए हैं।

ड्रोन हमलों का कर रहे विरोध

प्रदर्शन कर रहे छात्र असल में ड्रोन हमलों का विरोध कर रहे थे। बतला दें कि 1 और 3 अगस्त को मैतेई इलाकों में ड्रोन हमले हुए थे। उन्होंने सेंट्रल फोर्सेस पर चुप्पी साधने का आरोप भी लगाया है और उनसे राज्य छोड़ जाने की मांग भी की है। छात्रों ने राज्य के 60 में से 50 मैतेई विधायकों से अपना रुख स्पष्ट करने या इस्तीफा देने जैसी बात भी कही है। इन छात्रों की मांग है कि राज्य में यूनिफाइड कमांड की कमान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को दी

जानी चाहिए। इस आधार पर केंद्रीय और स्टेट फोर्स की कमान केंद्र की बजाय मुख्यमंत्री के पास होनी चाहिए। छात्र डीजीपी और सिक्योरिटी एडवाइजर को हटाने की भी मांग कर चुके हैं।

कुकी-मैतेई के बीच हिंसा जारी

मणिपुर में पिछले 7 दिनों में हिंसा बढ़ गई है। इस दौरान 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यहां बताते चलें कि मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा का दौर जारी है। हाल ही में मणिपुर में ड्रोन और रॉकेट का इस्तेमाल हमलों के लिए किया गया, जिससे स्थिति बिगड़ गई है।

गति शक्ति विश्वविद्यालय और आर्मी व वायु सेना के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

अहमदाबाद । (एजेंसी)

सैन्य कर्मियों को लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन में प्रशिक्षित करने और उनकी क्षमता बढ़ाने के मकसद से आज भारतीय सेना, वायु सेना और रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि इस समझौते से जहां आर्मी और एयर फोर्स को लॉजिस्टिक्स के मामले में विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिलेगी, वहीं लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन यानी रसद संचालन के विभिन्न पहलुओं में क्षमता निर्माण करने और प्रभावशाली रसद प्रणाली विकसित करने मंऑ भी सहायता मिलेगी। यह समझौता पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 2021 और राष्ट्रीय रसद नीति 2022 को भी मजबूती देने वाला साबित होगा। इसके अलावा यह समझौता भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को भी पूरा करेगा।

इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास जताया कि गति शक्ति विश्वविद्यालय अत्याधुनिक लॉजिस्टिक संबंधी शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ सशस्त्र बलों को सशक्त बनाने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में काम करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ÷इस समझौते से रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' के दृष्टिकोण के अनुरूप सशस्त्र बलों की लॉजिस्टिक्स संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। लॉजिस्टिक्स अब केवल सशस्त्र बलों का एक सहायक कार्य नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों और राष्ट्रीय सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभर रहा है। एक कुशल लॉजिस्टिक्स प्रणाली सुरक्षा बलों को तेजी से जुटाने और कम समय में संसाधनों को सही जगह पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिन परिस्थितियों में हमारी सेनाएं काम करती हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए, हमें सैनिकों, उपकरणों एवं आपूर्ति की निर्बाध आवाजाही की आवश्यकता है। जानकारी, नवाचार और सहयोग के जरिए हमारी सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के नजरिए से यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

बंगाल की खाड़ी में मच रही उथल-पुथल के चलते 4 राज्यों में बदलेगा मौसम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बंगाल की खाड़ी में एक मौसमी सिस्टम सक्रिय हो रहा है। जिसके कारण मौसम में बदलाव होगा और देश के चार राज्यों में बारिश होगी।छत्तीसगढ़ के दक्षिणी हिस्से सोमवार को भारी बारिश का सामना कर सकते हैं। साथ ही उत्तरी हिस्सों में भी 10 सितंबर यानी मंगलवार तक बारिश के आशार हैं। तेलंगाना के कई इलाकों में हल्की से मध्म बारिश होगी। झारखंड के दक्षिणी हिस्सों में 10-11 सितंबर को भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। वहीं, विदर्भ में सोमवार को हल्की से मध्यम बारिश की संभावनाएं हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इसके चलते ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। रविवार को बताया है कि ओडिशा में कई स्थानों पर अगले 3 दिन भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने राज्य के उन पांच जिलों में 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जहां पहले से ही कई हिस्सों में बारिश हो रही है।मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को जानकारी दी है कि डिप्रेशन (अवदाब) पुरी से लगभग 150 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व, गोपालपुर से 180 किमी पूर्व-दक्षिण पूर्व, पारादीप से 190 किमी दक्षिण, चांदबाली से 250 किमी दक्षिण, आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से 240 किमी पूर्व और पश्चिम बंगाल के दीघा से 350 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि सोमवार दोपहर तक पुरी और दीघा के बीच तटों को पार करने के बाद इसके अगले दो दिन में झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ने की संभावना है। मंगलवार को पुरी, जगतसिंहपुर, खुर्दा, कटक, ढेंकनाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश (सात से 20 सेंटीमीटर) और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (20 सेंटीमीटर से अधिक) होगी।

भारतीय पहलवान विनेश और पूनिया को रेलवे ने किया कार्यमुक्त, अब लड़ सकेंगे चुनाव

नई दिल्ली। (एजेंसी)

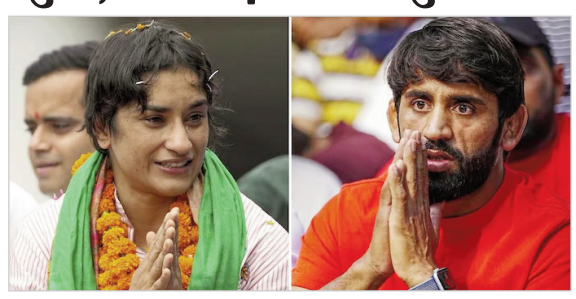

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने पिछले दिनों कांग्रेस ज्वाइन कर ली है और अब राजनीति में दांव पेंच आजमाने के लिए मैदान में उतर आए हैं। वहीं ये दोनों पहलवानों ने अपनी नौकरियों से इस्तीफा दे दिया जिसे रेलवे ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से स्वीकार भी कर लिया है। रेलवे अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को जारी अलग-अलग नोटिस में उत्तर रेलवे ने कहा कि छह सितंबर को दिए गए उनके इस्तीफे को सक्षम प्राधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया दोनों हाल में कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। विनेश को जुलाना क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने टिकट भी तय कर दिया है।

उत्तर रेलवे ने दोनों के मामलों में तीन महीने की नोटिस अवधि के प्रावधान में ढील दी। ऐसी अटकलें थीं कि नोटिस अवधि के मानदंड के मद्देनजर विनेश फोगाट संभवत- चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। चुनाव नियमों के मुताबिक हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्हें रेलवे से आधिकारिक रूप से मुक्त होना होगा। अब, चूंकि रेलवे ने दोनों ओलंपिक खिलाड़ियों को उनकी सेवा से मुक्त कर दिया है, इसलिए विनेश फोगाट चुनाव लड़ने के स्वतंत्र हैं। कांग्रेस में शामिल होने से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद उत्तर रेलवे ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को नोटिस जारी किया था। उत्तर रेलवे ने कहा था कि 'कारण बताओ' नोटिस सेवा के नियमों के तहत दिया गया क्योंकि वे दोनों सरकारी कर्मचारी थे। नोटिस के बाद दोनों ने रेलवे से इस्तीफा दे दिया था।

मुझे भारतीय राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को बढ़ाना है

राहुल गांधी ने टेक्सास में छात्रों को बताया नेता प्रतिपक्ष की कैसे निभाएंगे भूमिका

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। राहुल ने तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा नेता प्रतिपक्ष बनने पर अपनी जिम्मेदारियों और भविष्य की योजनाओं पर भी खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मेरी भूमिका भारतीय राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को बढ़ाना है। मुझे लगता है कि ये भाव मौजूदा समय में हमारी राजनीतिक प्रणाली से गायब हो चुका है। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछेंगे कि आज से पांच साल बाद क्या मैं खुद को सफल देखता हूं? तो मैं इसे तीन कसौटियों पर खुद को परखूंगा। क्या मैं भारतीय राजनीति में प्यार के विचार को लाने में मददगार साबित हो पाया हूं? क्या मैं नेताओं को ज्यादा विनम्र बना पाया हूं? और क्या मैंने लोगों के अंदर एक-दूसरे के लिए सम्मान की भावना को बढ़ाया है? राहुल गांधी ने देवता शब्द के अर्थ पर भी बात की। उन्होंने देवता शब्द का अर्थ बताते हुए कहा कि देवता आखिर कौन होता है? देवता ऐसा शख्स है, जिसकी अंदरूनी भावनाएं ठीक वैसी ही होती हैं, जैसी उसकी बाहरी अभिव्यक्ति। इसका सीधा मतलब है कि जो साफ दिल का शख्स है और पूरी तरह से पारदर्शी है। वह देवता है। राहुल ने कहा कि अगर कोई शख्स मुझे वह सब बता देता है, जो वह सोचता है, उसे खुले तौर पर जाहिर कर देता है तो वही देवता है। वह असल मायने में देवता है। राहुल गांधी ने कहा कि आप शिव के विचार के बारे में जानते हैं? जब वे कहते हैं कि शिव विनाशक हैं। वह किसका विनाश कर रहे हैं? खुद का। यही विचार है। वह अपने अहं, अपनी संरचना और अपनी मान्यताओं का विनाश कर रहे हैं। इस तरह भारतीय राजनीति का विचार आगे बढ़ना है।

पीओके के लोगों को खुद ही जंग की शुरुआत करनी होगी, फिर भारत करेगा मदद

-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामबन से पीओके की जनता को दिया मैसेज

श्रीनगर। (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के रामबन से पीओके की जनता को मैसेज दिया कि पीओके के लोगों को पाकिस्तान छोड़कर भारत के साथ आ जाना चाहिए। उन्होंने पीओके के लोगों से कहा कि हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी। आइए हमारे साथ आइए। राजनाथ की बातों का साफ मतलब है कि पाकिस्तान के लोग पीओके को अपना नहीं मानते, लेकिन यहां के 140 करोड़ लोग पीओके को अपना अभिन्न हिस्सा मानते हैं। इसलिए पीओके के लोगों को अब यहां आ जाना चाहिए।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद में पीओके के लोगों का धरना प्रदर्शन चल रहा है।

राजनाथ ने कहा कि पीओके के लोगों को खुद ही जंग की शुरुआत करनी होगी और बाद में भारत की मदद मिलेगी। 53 साल पहले बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ था। तब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। तब मुक्ति वाहिनी ने पूर्वी पाकिस्तान को आजाद करने सेना के खिलाफ युद्ध किया। बाद में भारतीय सेना की मदद से उनको आजादी मिली। फिर बांग्लादेश का जन्म हुआ। संभव है कि 2024 में पाकिस्तान की सड़कों पर 1971 के बांग्लादेश जैसी तस्वीरें दिखाई दें लेकिन इतना साफ है कि पीओके के सुनहरे भविष्य का फैसला वहां के लोगों को ही करना होगा।

उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 में धारा 370 निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति में बड़े बदलाव का स्वागत किया और कहा कि युवाओं के पास अब पिस्तौल व रिवॉल्वर के बजाय लैपटॉप और कम्प्यूटर हैं। अब कोई भी श्रीनगर में लोगों पर गोलियां चलाने की हिम्मत नहीं करता है। राजनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए बीजेपी का समर्थन करें, ताकि हम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभी भी वक्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये

(लेखक- नरेंद्र भारती)

बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों क़ो सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया। कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए।

अभी भी वक़्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये। बेहरम बरसात ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक बहुत तांडव किया और हजारों लोगों को लील लिया बाढ़,भूसखलन के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं केरल के वायनाड मे भूस्खलन होने से 43 लोगों की मौत हो गई थी इस भूसखलन मे लगभग 400 लोग लापता हो गए थे यह बहुत ही त्रासदी थी। चार गाँव बह गए और पुल, सड़क, मकान बह गए हैं। एन डी आर एफ की टीमें जान जोखिम मे डाल कर लोगों का जीवन बचाती है।भारी बरसात के कारण यह हादसे होते है। सर्च ऑपरेशन व बचाव कार्य में भी काफ़ी जोखिम होता हैं। हिमाचल में भी बहुत तबाही हुई गाँव के गाँव दब गए लाशें नहीं मिली बादल फटने से 46 लोग मारे गए चलती गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। प्रतिवर्ष बरसात मे ऐसे हादसे होते हैं और लोगों को जान गंवानी पड़ती है।प्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक़्त हैद्यप्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है हिमाचल के किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो रही है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं। बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों क़ो सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया। कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए। सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया। अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं। बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी हैद्य मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए। पिछले साल20अगस्त क़ो भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमीदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी। जुलाई मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं। अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी। प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफ़ी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। मानव क़ो पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे रुक सके वक़्त अभी सभलने का है। अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी। मानव क़ो चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी। उतराखंड में प्रकृति का तांडव ,एक त्रासद कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। कुछ साल पहले उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है।प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे ।कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे ।कैसा विडंबना है कि एक तरफ जहां पूरा देश मे प्रकृति रौद्र रुप दिखकर तांडव मचा रही है।रविवार को उतराखंड में प्रकृति ने प्रलय की इबारत लिख दी।रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया था । 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था ।204 लोग लापता हो गए थे और 34 शव बरामद कर लिए थे यह बहुत ही त्रासदी है।पल भर में लोग बह गए थे और लापता हो गए थे ।चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अबजियोंग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी ।प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद केा समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है।सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।प्रकृति से खेलना बंद करना होगा।यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। बीते साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी ।80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे ।पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे।इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें।बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रऊीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय - समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है।मानव कृतध्न बनता जा रहा है।मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है।आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है।गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है।अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है।प्रकृति ने मानव को समय-समय पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है।प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है।वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है।

संपादकीय

मोबाइल के सच-झूठ

वायरलेस फोन से निकलने वाला विकिरण, यानी रेडिएशन हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है, इसकी चिंता तो मोबाइल फोन के आगमन से पहले ही आ गई थी। उस समय ही, जब कॉर्डलेस फोन इस्तेमाल होने लगे थे। मोबाइल फोन जब आए, तो यह कहने वाले कई मिल जाते थे कि इसे कमीज की सामने की बायीं जेब में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि वहां पीछे दिल होता है और मोबाइल का रेडिएशन आपको दिल का मरीज बना सकता है या आपके दिल की धड़कन को प्रभावित कर सकता है। 5जी फोन आया, तो यह चिंता मोबाइल फोन की डाटा स्पीड से भी ज्यादा बढ़ गई। बढ़नी भी थी। इसके पहले के मोबाइल फोन 0.7 से 2.7 गीगाहर्ट्ज पर काम करते थे, जबकि 5जी फोन 80 गीगाहर्ट्ज पर। कुछ लोगों ने तो यह आंकड़ा देखकर ही हाय-तौबा शुरू कर दी। हालांकि, वैज्ञानिक यह समझाते रह गए कि यह नॉन-आयनिक रेंज है और इसका खतरा एक्स-रे या कॉस्मिक-रे जैसा नहीं है। मगर चिंता करने वाले इतनी आसानी से कहां मानते हैं! इस बीच 5जी फोन की संख्या और उनका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा और उन पर चलने वाले वाट्सएप जैसे माध्यमों में यह प्रचार भी बढ़ा कि कैसे दुनिया इसी फोन की वजह से ब्रेन कैंसर की चपेट में आती जा रही है। हद तो तब हो गई, जब एक समय यह कहा गया कि 5जी टावर की वजह से लोगों को कोविड हो रहा है। वैज्ञानिक इस सब पर सिर्फ लीपापोती ही नहीं कर रहे थे, वे चिंतित भी थे। दुनिया भर में इसके कई गंभीर अध्ययन हुए और अलग-अलग तरह के नतीजे सामने आए, पर चिंताएं और अफवाहें बदस्तूर जारी रहीं, बढ़ती रहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऐसे पांच हजार से भी ज्यादा अध्ययन जमा किए। सबको संजोया, उनका पूरे वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन किया। ठीक यहीं पर एक बात और समझ लेनी चाहिए कि कुछ दूसरे कैंसर की तरह ही हम ब्रेन कैंसर होने का कारण अभी भी ठीक से नहीं जानते। हमें नहीं पता कि कुछ लोगों को यह क्यों हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए यह अध्ययन करने वाले कैंसर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि मोबाइल फोन या उसके टावर से निकलने वाले विकिरण से कैंसर होने का या उसका जोखिम बढ़ जाने का खतरा है, इसके लिए दिए जाने वाले तर्क काफी कमजोर हैं। उनकी नजर में यह खतरा उस तरह का नहीं है, जितना कि इसे बताया जा रहा है। अब जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी तरफ से इस चिंता पर विराम लगाने की कोशिश कर दी है, तो क्या यह मान लिया जाए कि यह विवाद अब खत्म हो जाएगा? इसको लेकर सोशल मीडिया पर चलने वाली हाय-तौबा अब सुनाई देनी बंद हो जाएगी? इसका जवाब देना काफी मुश्किल है, क्योंकि यह समस्या अब उस जगह पर पहुंच चुकी है, जहां न तो वैज्ञानिकों का कोई बस चलता है और न ऐसे अध्ययनों का। सोशल मीडिया के झूठ पर सच का प्रहार अक्सर बेअसर ही दिखाई देता है। हमने अतीत में भी देखा है कि लोगों ने बहुत मेहनत से सोशल मीडिया के झूठ का पर्दाफाश किया, पर वह झूठ अभी तक उसी तरह प्रचार-प्रसार में है। आपको उस पर यकीन करने वाले भी बहुत से मिल जाएंगे। ठीक यहीं पर एक बात और, विज्ञान अपने अध्ययन को लगातार जारी रखता है। उसे कभी लगा कि मोबाइल विकिरण से कोई खतरा है, तो आपको सबसे पहले यह बात विज्ञान ही बताएगा, सोशल मीडिया नहीं।

आत्महत्या नहीं है किसी भी समस्या का हल

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (10 सितम्बर) पर विशेष)

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक 34 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

विचार मंथन

भारतीय अर्थव्यवस्था की हकीकत, आर्थिक संकट

(लेखक-सनत जैन)

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मासिक रिपोर्ट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को उजागर किया है। सरकार द्वारा चमचमाते विकास और सफलता की कथा कहानियों का सच ओर उसके पीछे छिपी वास्तविकता का काला सच सामने आ गया है। रिपोर्ट से पता चलता है, देश की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। समाज के सभी वर्गों को बड़ा आर्थिक नुकसान हो रहा है। मध्यम वर्ग में बिकने वाली कारों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। रिपोर्ट में कारों की बिक्री में तेज गिरावट को लेकर चिंता प्रकट की गई है। पिछले कई महीनों में कारों की वेटिंग लिस्ट खत्म हो चुकी है। अब कारें सीधे बाजार में उपलब्ध हैं। 8 लाख से ज्यादा कारें डीलरों के पास स्टॉक में है। भारी डिस्काउंट के बाद भी कारों के खरीददार नहीं हैं। कंपनियों ने डीलरों के लिए 60 दिन की लिमिट को बढ़ाकर 90 दिन कर दिया है। जिसका सीधा अर्थ है कि मांग में भारी कमी है। अगस्त के महीने में कारों की बिक्री में 8 फीसदी की गिरावट आ गई है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है। जब त्योहारों का सीजन था। आने वाले महीनो में स्थिति ओर भी खराब होगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, यह स्थिति उपभोक्ताओं की घटती क्रय शक्ति का नतीजा है। लोगों के पास नई कार खरीदने के लिए मार्जिन मनी के रूप में भी पैसे नही हैं। उन्हें अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। उच्च ब्याज दरें और बढ़ती महंगाई घटती आय इसके प्रमुख कारण हैं। जिसके चलते लोग अब कर्ज लेने से बच रहे हैं। ऑटोमोबाइल कंपनियों ने कार का उत्पादन बंद कर दिया है। जिसके कारण छटनी का खतरा भी पैदा हो गया है। लोगों की आर्थिक हालत इतनी खराब हो गई है। उन्हें सोना गिरवी रखकर लोन लेना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में सोना गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 39 फीसदी की व्रद्धि हुई है। यह आर्थिक संकट की वास्तविक स्थिति को बताता है। सोना भारतीय समाज में एक सामाजिक सुरक्षा के रूप में महिलाओं के पास रखा जाता है। अब लोगों को सोना गिरवी रखकर चिकित्सा खर्च, बच्चों की शिक्षा और घर-गृहस्थी के अन्य खर्चों के लिए सोना गिरवी रखकर अथवा बेचकर काम चलाना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, सोना गिरवी रखकर कर्ज की कुल राशि 1,30,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। जो एक गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है। क्रेडिट कार्ड से लोन लेने वालों की संख्या भी तेजी के साथ बढ़ रही है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में चिंताजनक तथ्य यह है, क्रेडिट कार्ड के लोन पर 122व की वृद्धि हुई है। लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर क्रेडिट कार्ड एवं अन्य माध्यमों से कर्ज का सहारा ले रहे हैं। बच्चों की फीस, दवाइयों के खर्च, और घर के अन्य जरूरी सामानों के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, जीएसटी की उच्च दरें आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। इससे महंगाई बढ़ रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। सीमेंट, स्टील, और ऑटोमोबाइल पर 28 फीसदी जीएसटी वसूल किया जा रहा है। खाने पीने की चीजों और अन्य सेवाओं पर 18 फ़ीसदी से जीएसटी वसूल किया जा रहा है। इससे मध्यम वर्ग ओर निम्न आय वर्ग के लोग आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। आरबीआई की इस रिपोर्ट ने भारत की अर्थव्यवस्था, सरकारी दावों एवं नारों की चमक-धमक की कलई खोल दी है। वास्तव में, देश का आम आदमी आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज के भँवर जाल में फंसता जा रहा है। सरकार की नीतियां गरीब और मध्यम वर्ग पर कहर ढा रही हैं। कर्ज के जाल में फंसकर आम आदमी के पास अब खर्च करने के लिए पैसे नहीं है। वहीं सरकार मानती है, 84 करोड लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। यदि उनके पास पैसा नहीं होता, तो वह इंटरनेट का उपयोग कैसे करते। सरकार और भाजपा के लोग यह मानकर चलते हैं। जनता के पास बहुत पैसा है। यदि उसके पास पैसा नहीं होता तो वह सड़कों पर उतरकर विरोध करती है। रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट ने वास्तविक आर्थिक स्थिति का खुलासा कर दिया है। कर्ज और सोना गिरवी रखकर अथवा बेचकर कुछ समय तो आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है। लेकिन लंबे समय तक यह स्थिति भी नहीं रहेगी। लोगों का रोष अब खुलकर सामने आने लगा है। गरीब एवं मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं। यदि उनकी क्रय शक्ति कम या खत्म हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकारी राजस्व का पहिया उल्टा घूमते हुए देरी नहीं लगेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया सीमित दायरे में, 83.96 डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख के बीच सोमवार को रुपया सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ। एक पैसे मजबूत होकर 83.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी तथा डॉलर सूचकांक में समग्र कमजोरी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे मजबूत होकर 83.96 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.85 पर पहुंच गया गया। बाद में फिर यह 83.95 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.28 अंक पर रहा।

गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग का शेयर निर्गम मूल्य 529 रुपये से करीब 42 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 41.77 प्रतिशत बढ़त के साथ 750 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 48.77 प्रतिशत चढ़कर 787 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 36.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 721.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 972.42 करोड़ रुपये रहा। गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन पिछले बुधवार को 201.44 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 168 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 503-529 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग तकनीकी सामान जैसे डिस्क एंड स्ट्रिप स्प्रिंग्स (डीएसएस), कॉइल एंड स्पाइरल स्प्रिंग्स (सीएसएस) और स्पेशल फास्टनिंग सॉल्यूशन्स (एफएफएस) की घटक विनिर्माता है।

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज़ पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

पीएनबी और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जुटाएंगे 10,000 करोड़

पंजाब नैशनल बैंक

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को मौजूदा वित्त वर्ष में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये कुल मिलाकर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया` कि वित्त वर्ष 25 में पीएनबी और बीओएम, प्रत्येक को क्यूआईपी के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी जा चुकी है। इन दोनों बैंकों ने हांग कांग जैसी कई जगहों पर रोड शो भी किए हैं। पीएनबी और बीओएम की सालाना आम बैठक (एजीएम) में वित्त वर्ष 2024-25 में क्यूआईपी या अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिये शेयर बिक्री से प्रत्येक को 7,500 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। दरअसल, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई के मामले में क्यूआईपी के जरिये धन जुटाने पर पैसा कंपनी को जाता है, क्योंकि इकाई नए शेयर जारी करती है, जबकि ओएफएस के मामले में जुटाई गई राशि सरकार (हिस्सेदार) के पास जाती है क्योंकि इसमें मौजूदा शेयरों की बिक्री होती है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय को ऐसे ही प्रस्ताव अन्य बैंकों से मिले हैं। इस क्रम में क्यूआईपी के जरिये यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) से 6,000 करोड़ रुपये, यूको बैंक से 2,000 करोड़ रुपये और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव मिले हैं।

सूत्रों के मुताबिक ऐसे कोष जुटाने से कुछ बैंक न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) के मानदंडों को पूरा कर पाएंगे। ये मानदंड भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने तय किए हैं। सूत्रों ने बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) भी इस साल में 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव भेज चुका है।

इस बारे में और जानकारी के लिए वित्त मंत्रालय, पीएनबी, बीओएम, यूको बैंक, आईओबी और सेंट्रल बैंक की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला।

मोटर वाहन उद्योग का जीएसटी में 14-15 प्रतिशत योगदान : सयाम

नई दिल्ली ।

भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया और अब देश में संग्रहित कुल जीएसटी में इसका योगदान 14-15 प्रतिशत है।'सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स' (सियाम) के एक अे धिकारी ने सोमवार को यहां 64वें वार्षिक एसीएमए सत्र में कहा कि मोटर वाहन क्षेत्र देश में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया, हम देश में एकत्र कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में करीब 14-15 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.8 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से अधिक योगदान देगा। उन्होंन कहा` कि अग्रवाल ने कहा कि केवल वृद्धि संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी में बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

दो साल में मंगल ग्रह पर लांच किया जाएगा पहला स्टारशिप मिशनः मस्क

सैन फ्रांसिस्को ।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि मंगल ग्रह पर पहला अनक्रूड स्टारशिप मिशन दो साल में लांच किया जा सकता है। स्टारशिप दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसका उपयोग इंसानों को चंद्रमा और फिर अंत में मंगल ग्रह पर भेजने के लिए किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टेक अरबपति ने कहा` कि मंगल ग्रह पर पहला स्टारशिप दो साल में लॉन्च होगा। मंगल ग्रह पर लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन्हें शामिल किया जाएगा। अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू की उड़ान उड़ान चार साल में होगी। उन्होंने आगे कहा` कि लगभग 20 वर्षों में एक शहर बनाने का लक्ष्य है, जो खुद की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। आने वाले वर्षों में किसी ना किसी ग्रह पर मानव जीवन को शुरू करने की तैयारी भी होगी। मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने पहली पूरी तरह से रियूज होने वाली रॉकेट का निर्माण किया है। इससे स्पेश मिशन पर आने वाले खर्चों में काफी कमी आएगी। मस्क ने बताया` कि मंगल ग्रह पर चुनौतीपूर्ण माहौल है। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं है। इसके बावजूद हम आने वाले सालों में ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं, इसके लिए हमें मौजूदा तकनीक को 10 हजार गुना बेहतर करने की जरूरत होगी। स्पेसएक्स ने हाल ही में हेवी बूस्टर के साथ अपने 400 फुट ऊंचे स्टारशिप की तीसरी परीक्षण उड़ान शुरू की है। स्टारशिप में एक विशाल बूस्टर होता है, जिसे सुपर हेवी कहा जाता है। इसमें ऊपरी हिस्से में एक अंतरिक्ष यान भी है, जिसे स्टारशिप कहा जाता है। स्पेसएक्स के सीईओ कम से कम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना बना रहे हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 390.05 अंक करीब 0.48 फीसदी बढ़कर 81,573.98 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 84.25 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी बढ़कर 24,936.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बीएसई सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से 16 शेयर बढ़कर बंद हुए। वहीं सबसे अधिक लाभ हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर को हुआ। ये कारोबार के अंत में 2.95 फीसदी बढ़कर 2922.10 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंचे। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू स्टील और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी उछाल के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 14 के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इनमें सबसे अधिक नुकसान टेक महिंद्रा के शेयर को हुआ। इसका शेयर 2.68 फीसदी नीचे आकर 1579.95 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, पावरग्रिड, टाइटन, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सनफार्मा, मारुति सुजुकी इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स और भारती एयरटेल

के शेयर भी गिरावट पर रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। नौकरियों के आंकड़े उम्मीद से कम रहने के बाद अमेरिका की अर्थव्यवस्था को लेकर एक बार फिर चिंता खड़ी हो गई है। जिससे एशियाई बाजारों में गिरावट देखने को मिली। शेयर बाजार के 13 प्रमुख क्षेत्रों में से 11 घाटे में चल रहे थे। घरेलू स्तर पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाले छोटे और मध्यम शेयरों में लगभग 0.4 फीसदी की गिरावट आई। अमेरिका में आर्थिक मंदी की चिंताओं के बाद वॉल स्ट्रीट में गिरावट का प्रभाव सोमवार को एशिया के शेयर बाजारों पर असर पड़ा और इनमें गिरावट आई। बांड यील्ड और कमोडिटी की कीमतों में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशकों ने सुरक्षित स्थानों के लिए जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश करने से परहेज किया है।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान के निक्केई 225, चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग भी गिरावट पर बंद हुए। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार के दौरान तेजी रही। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुए थे।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 75 करोड़ डॉलर के बांड भुनाए

मुंबई ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी` लिमिटेड (एजीईएल) उद्योगपति गौतम अदाणी समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है। कंपनी ने कहा कि उसने आठ सितंबर 2024 को देय सभी बकाया 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर 4.375 प्रतिशत होल्डको नोट्स को भुना लिया।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने अपने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को शीघ्र भुनाने की योजना की जनवरी में घोषणा की थी। ये इस सितंबर में परिपक्व हो रहे थे। एजीईएल उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने आठ सितंबर 2024 को देय सभी बकाया 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर 4.375 प्रतिशत होल्डको 'नोट्स' को भुना लिया।

यह वित्तपोषण कंपनी के प्रवर्तकों को 9,350 करोड़ रुपये (1.12 अरब डॉलर) के तरजीही आवंटन के तहत यह धनराशि प्राप्त होने के साथ पूरा हुआ।

इसके अलावा एजीईएल के प्रवर्तकों ने दिसंबर 2023 में 9,350 करोड़ रुपये की राशि के तरजीही वारंट की सदस्यता लेने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें से 7,013 करोड़ रुपये एजीईएल के पास किसी भी त्वरित पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को वित्तपोषित करने के लिए उपलब्ध होंगे। एजीईएल के पास वर्तमान में 11.2 गीगावाट का अक्षय ऊर्जा खंड है। यह भारत में सबसे बड़ा है और 12 राज्यों में फैला हुआ है।

इंग्का सेंटर्स का भारत में दूसरा मीटिंग प्लेस नोएडा में

नई दिल्ली ।

आइकिया रिटेल का परिचालन करने वाली इंग्का समूह की इकाई इंग्का सेंटर्स भारत में नोएडा में लाइकली ब्रांड के तहत अपना दूसरा मीटिंग प्लेस स्थापित करने के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के एक वैश्विक विस्तार एवं विकास निदेशक ने बताया कि इसके साथ देश में कंपनी का कुल निवेश एक अरब यूरो हो जाएगा। इंग्का सेंटर्स भारतीय बाजार पर बड़ा दांव लगा रही है और विस्तार पर मंथन कर रही है। आइकिया की देश में अपने बिक्री केंद (आउटलेट) खोलने की योजना है। हालांकि गुरुग्राम में इसके पहले (मीटिंग प्लेस) लाइकली गुरुग्राम के उद्घाटन को 2025 अंत से अब 2026 तक टाल दिया गया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि इसमें 60.7 करोड़ यूरो का निवेश किया जाएगा। यह निवेश पूरी तरह से नोएडा परियोजना के लिए है। फिर हमारे पास जीएमपी के लिए भी निवेश है।

गूगल पर एक और मुकदमा, विज्ञापनों के एकाधिकार का मामला

मुंबई

विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। गूगल के सर्च इंजन को एक न्यायाधीश द्वारा अवैध एकाधिकार वाला बताए जाने के करीब एक महीने बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को उसकी विज्ञापन तकनीक को लेकर एक और मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। न्याय विभाग और राज्यों का तर्क है कि गूगल ने ऑनलाइन प्रकाशकों को विज्ञापनदाताओं से मिलाने वाली तकनीक पर एकाधिकार बनाया है और उसे कायम रखा है।सरकार ने अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया है कि लेन-देन के खरीद और बिक्री दोनों पक्षों को लेकर सॉफ्टवेयर पर प्रभुत्व रखने से गूगल को प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के बीच बिक्री के लिए दलाली करने पर एक डॉलर पर 36 सेंट तक अर्जित करने में मदद मिलती है। गूगल का कहना है कि सरकार का मामला पुराने जमाने के इंटरनेट पर आधारित है, जब डेस्कटॉप कंप्यूटर का बोलबाला था और इंटरनेट उपयोगकर्ता यूआरएल फील्ड में बड़ी सावधानी से सही-सही वर्ल्ड वाइड वेब पता टाइप करते थे। विज्ञापनदाताओं के अब

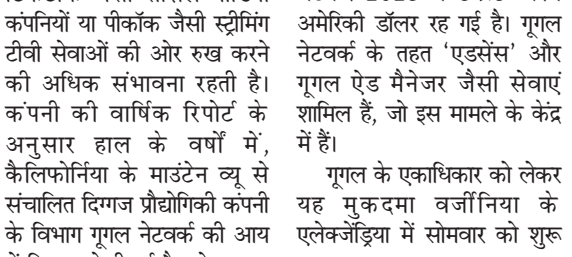

दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में, कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू से संचालित दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी के विभाग गूगल नेटवर्क की आय में गिरावट देखी गई है, जो 2021 में 31.7 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023 में 31.3 अरब अमेरिकी डॉलर रह गई है। गूगल नेटवर्क के तहत 'एडसेंस' और गूगल ऐड मैनेजर जैसी सेवाएं शामिल हैं, जो इस मामले के केंद्र में हैं।

गूगल के एकाधिकार को लेकर यह मुकदमा वर्जीनिया के एलेक्जेंड्रिया में सोमवार को शुरू हुआ।

सोने के भाव में आई तेजी, चांदी भी चमकी

सोने के वायदा भाव 71,500 रुपए, चांदी 83,000 रुपए के पार

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोमवार को सोने के वायदा भाव 71,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,000 रुपये के पार कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 78 रुपये की तेजी के साथ 71,504 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 90 रुपये की तेजी के साथ 71,516 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 210 रुपये की तेजी के साथ 82,967 रुपये पर खुला। इस समय यह 293 रुपये की तेजी के साथ 83,050 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,526.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,524.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,527.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.27 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.18 डॉलर था।

इस समय यह 0.18 डॉलर की तेजी के साथ 28.36 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पेट्रोल में मिलावट को कैसे पहचानें, सिर्फ एक रुपए में कर सकते हैं चेक

नई दिल्ली ।

पेट्रोल में मिलावट है या नहीं इसे आप मात्र एक रुपए में घर पर ही पहचान सकते हैं। पेट्रोल की शुद्धता को जानने के लिए आप फिल्टर पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पर पेट्रोल पर कुछ बूंदों को गिराने पर अगर इस पर धब्बा बन जाता है, तो पेट्रोल मिलावटी है। अगर आपके पास फिल्टर पेपर नहीं है तो आप पेट्रोल की शुद्धता की जांच ए4 पेपर की मदद से भी कर सकते हैं। यह पेपर आपको आसानी से बाजार में एक रुपये में मिल जाएगा। इस पर भी फिल्टर पेपर की तरह पेट्रोल की कुछ बूंदों को गिराएं। अगर पेपर पर धब्बा बन जाता है, तो पेट्रोल में मिलावट है। अगर फिल्टर पेपर की तरह ही ए4 पेपर की तरह ही धब्बा मुक्त रहता है, तो फिर पेट्रोल शुद्ध है। पेट्रोल के घनत्व की जांच आप हाइड्रोमीटर,विशेष थर्मामीटर और कुछ अन्य उपकरणों के जरिए कर सकते हैं। हालांकि, इस विधि द्वारा पेट्रोल की शुद्धता जांचने के लिए सुविधा सिर्फ प्रयोगशालाओं या फिर पेट्रोल पंप पर ही उपलब्ध होती है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से शुद्ध पेट्रोल का घनत्व को निर्धारित किया गया है, जो 730 से 800 के बीच है। इसके बारे में पेट्रोल पंप मशीन पर लिखा होता है। अगर पेट्रोल इसके बीच है तो वह शुद्ध है। वहीं अगर पेट्रोल की डेंसिटी 800 से ज्यादा है, तो इसका सीधा मतलब है कि पेट्रोल में मिलावट हुई है।भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन

बारिश में आपूर्ति प्रभावित होने से सब्जियां हुई महंगी

नई दिल्ली ।

अगस्त और सितंबर में ज्यादा बारिश होने से प्रमुख शहरों में सब्जियों की आपूर्ति प्रभो वित हुई और इसके दाम भी बढ़ चुके हैं। हरी सब्जियों में सबसे ज्यादा दाम धनिया के बढ़े हैं। दिल्ली में बीते एक महीने के दौरान धनिया के दाम 350 प्रतिशत बढ़ गए हैं। मुंबई में पालक के दाम 100 प्रतिशत बढ़े हैं।

सब्जियों की आपूर्ति बाधित होने का बाजारों पर अलग- अलग प्रभाव पड़ता है। इसका कारण यह है कि कई सब्जियों का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होता है और वे जल्दी खराब हो जाती हैं। मूसलाधार बारिश का असर मंडियों के कारोबार पर भी पड़ता है। मंडी में फसलों की ज्यादातर खरीद और बिक्री खुले आसमान के नीचे होती है और मंडियों में कुछ ही स्थानों पर सब्जियों की खरीद फरोख्त ढके हुए स्थान के नीचे होती है। अगले कुछ महीनों के दौरान बारिश प्रमुख फसल उत्पादक क्षेत्रों में जारी रहती है तो दाम बढ़ने से स्थिति और खराब भी हो सकती है।

केंद्र सरकार ने देश भर में नेफेड और एनसीसीएफ के जरिये सस्ते में प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपाई) की आधार मुद्रास्फीति जुलाई 2024 में सुस्त होकर 5.06 प्रतिशत हो गई थी जबकि यह जून में 8.36 प्रतिशत थी। बहरहाल, अगस्त और सितंबर में सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि बढ़े हुए दाम कब तक आम आदमी की जेब पर अत्यधिक भारी नहीं पड़ते हैं।

'भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के करीब आने के साथ ही अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि भारतीय टीम को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराने में बहुत खुशी मिलती है जबकि पिछले कुछ वर्षों में ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2018/19 और 2020/21 में हुई पिछली दो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की है। मेहमान टीम 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले पांच मैचों के टेस्ट दौरे में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेगी, इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेल होंगे। ख्वाजा ने कहा, 'हम पिछले दो सालों से दुनिया की नंबर एक और नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में एक साथ थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा से बहुत बड़ी रही है। मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'और ऑस्ट्रेलिया की इतने सालों से विश्व क्रिकेट में हावी टीमों में से एक होने की परंपरा ने उस प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है। मुझे लगता है, हां, भारतीयों के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना हमेशा से ही रहा है। और हाल ही में, आप जानते हैं, भारत और आईपीएल के उदय और बाकी सब कुछ जो हुआ, उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच भी यही हुआ है। खासकर तब से जब से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराया है, जब से वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर आए हैं। इसका मतलब बस थोड़ा और है।'

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड जो 2014/15 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा थे, ने कहा कि वह ट्रॉफी को वापस पाने के लिए उत्सुक हैं। हेजलवुड ने कहा, 'हां, शायद यही सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता है। भारत के खिलाफ खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, और वे यहां की परिस्थितियों के इतने आदी हैं कि उन्हें यह पसंद है। आप जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में चुनौती बहुत बड़ी है। वे अपने शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी कर रहे हैं, चाहे कोई भी खेल रहा हो, उनके शीर्ष छह या सात अविश्वसनीय हैं। मैंने अपनी पहली सीरीज में उनके खिलाफ खेला, जाहिर है और हमने जीत हासिल की, शायद वह आखिरी बार था। बहुत से वही खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं, मुझे लगता है कि मैंने विराट को उस गेम में हराया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारे बहुत से खिलाड़ी, मुझे लगता है, भारत को टेस्ट सीरीज में नहीं हरा पाए हैं। ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ी खेल रहे थे, ऐसे ही लोग। तो, हां हमारे लिए आने वाला समर बहुत बड़ा है और उम्मीद है कि हम ट्रॉफी वापस पा लेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर मिशेल मार्श आगामी सीरीज को लंबे फॉर्मेट को आगे बढ़ाने के एक और मौके के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सिर्फ क्रिकेट

है जो दोनों टीमों के बीच खेला गया है। अगर आप इतिहास, हाल के इतिहास को देखें, तो हमने चीजें जीती हैं, उन्होंने चीजें जीती हैं। और मुझे लगता है कि जब यह इस तरह आगे-पीछे होता है, तो यह आपके भीतर प्रतिद्वंद्विता का निर्माण करता है। आप जानते हैं कि भारतीय टीम और हमारी टीम में बहुत अच्छी दोस्ती है, इसलिए कोई नफरत नहीं है। लेकिन यह मैदान पर एक शानदार प्रतिद्वंद्विता है, दोनों टीमें जीतना चाहती हैं। ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, यह क्रिकेट के खेल को आगे बढ़ाने का एक और अवसर है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेट को भारत में बढ़ने की जरूरत है, बल्कि दुनिया भर में। लोग इन बड़ी सीरीज़ को देखते हैं।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने जापान को दी करारी हार, लगातार दूसरा मैच जीता

हुलुनबुइर (चीन)(एजेंसी)। सुखजीत सिंह के दो गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने सोमवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के लीग मैच में जापान को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

सुखजीत ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल किए जबकि अभिषेक (तीसरे), संजय (17वें) और उत्तम सिंह (54वें) अन्य भारतीय गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मात्सुमोतो काजुमासा ने 41वें मिनट में जापान के लिए एक गोल किया। रविवार को अपने शुरुआती राउंड-रॉबिन लीग मैच में चीन को 3-0 से हराने वाली चार बार की चैंपियन भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जबकि जापान की टीम ने पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम बुधवार को पिछले चरण की उपविजेता टीम मलेशिया से भिड़ेगी। मंगलवार को आराम का दिन है। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित , ऋषभ की वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है।

इस सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई और दूसरा कानपुर में खेला जाएगा। टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। ऋषभ 2022 में कार हादसे से उबरने के बाद पहली बार टेस्ट खेलते नजर आयेंगे। उन्हें दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है उसमें श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश किया था पर वह बोर्ड का भरोसा हासिल नहीं कर पाये। टीम में जिस फैसले से सभी हैरान है वह है यश दयाल को शामिल किया जाना। यश वहीं गेंदबाज हैं जिनपर पिछले आईपीएल में रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाये थे। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम का चयन कर लिया है। इस टेस्ट सीरीज से साल 2024-25 के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। इस सीरीज के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेले जाएंगे। जिसके लिए सीरीज का चयन अभी होना है।

टीम इस प्रकार है - रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमरा, यश दयाल।

आप किसी टीम को कम नहीं आंक सकते, बांग्लादेश सीरीज से पहले बोले शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज दिलचस्प होने वाली है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। चेन्नई मैच के लिए गिल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है जिसमें ऋषभ पंत, केएल राहुल और विराट कोहली की टेस्ट टीम में वापसी हुई है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल पहली बार टीम में दिखाई देंगे।

गिल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश ने जिस तरह का क्रिकेट खेला है, खासकर पाकिस्तान में, वह प्रभावशाली रहा है। उनके तेज गेंदबाजों और जिस तरह से उनके मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने दबाव झेला है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए, मेरा मानना है कि यह एक दिलचस्प और रोमांचक मुकाबला होगा।'

अब तक 25 टेस्ट मैचों में गिल ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं, पिछले साल उन्होंने नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी की। टेस्ट में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गिल ने कहा, 'अक्सर, जब आप किसी अलग स्थान पर खेलते हैं तो हर कोई आपकी क्षमता जानता है, लेकिन फिर भी आपको खुद को साबित करना होता है। शुरुआती मैचों में जब मैं नंबर तीन पर खेला, तो मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया - वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ। मैं अच्छी शुरुआत कर रहा था, 20 और 30 रन बना रहा था, लेकिन मैं उन्हें बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहा था। जब मैं वापस लौटा, तो मुझे पता था कि मुझे इन प्रदर्शनों को बदलना होगा। आगे बढ़ते हुए मेरा लक्ष्य अपने अर्द्धशतकों को बड़े शतकों में बदलना है।'

नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में गिल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 टेस्ट सीरीज के दौरान नौ पारियों में 452 रन बनाए, जबकि उनका औसत 56.50 रहा। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा आत्मविश्वास बढ़ाने वाला था, खासकर पहला टेस्ट मैच हारने के बाद। काफी खिलाड़ी अनुपलब्ध थे, इसलिए हम पर सीरीज जीतने का दबाव था।' इंग्लैंड सीरीज जीत से मिली सीख के बारे में गिल ने कहा, 'मैंने पहले कभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेले थे, इसलिए यह एक अच्छा अनुभव था और उस तीव्रता को महसूस करना रोमांचक था। दो टेस्ट मैचों के बाद ब्रेक मिलने के बाद भी हमने कभी उस तीव्रता को नहीं छोड़ा।'

रोनाल्डो के रिकॉर्ड 132वें गोल से जीता पुर्तगाल

लंदन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फिर से साबित किया कि वह 39 वर्ष के होने के बावजूद पुर्तगाल के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस स्टार स्ट्राइकर ने मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर कदम रखा और 88वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इससे पुर्तगाल ने नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया। पांच बार वर्ष के विश्व में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 132वां गोल था जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो यूरोपीय चैंपियनशिप के पांच मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन पुर्तगाल के कोच रॉबर्ट मार्टिनेज ने इस दिग्गज खिलाड़ी पर भरोसा बनाए रखा और उनका यह फैसला सही साबित हो रहा है। गुरुवार को क्रोएशिया पर 2-1 की जीत में भी रोनाल्डो ने अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में उन्होंने क्लब और देश की तरफ से कुल मिलाकर अपने करियर का 900वां गोल किया था।

ऋषभ पंत टेस्ट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर, छोटे प्रारूपों में सुधार की जरूरत : गांगुली

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर हैं, लेकिन साथ ही उन्हें छोटे प्रारूपों में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में चोटिल होने के बाद पंत को रविवार को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा। पंत ने इस साल के शुरू में सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की थी और इनमें अच्छा प्रदर्शन किया था। गांगुली ने यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मैं ऋषभ पंत को भारत के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक मानता हूं। उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी से मैं हैरान नहीं हूं। वह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में खेलते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करता रहा तो टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल हो जाएगा। मेरा मानना है कि उसे छोटे प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। वह प्रतिभाशाली है और मुझे यकीन है कि वह जल्द ही ऐसा करने में सफल रहेगा।' मोहम्मद शमी को टखने के ऑपरेशन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया लेकिन गांगुली को विश्वास है कि यह तेज गेंदबाज इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे से पहले पूरी तरह फिट हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं है लेकिन वह जल्द ही वापसी करेगा क्योंकि भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारत का आक्रमण अभी बहुत अच्छा है।'

पेरिस पैरालिम्पिक्स से हम क्या सीख सकते हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पैरिस पैरालिम्पिक खेलों में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। 7 गोल्ड के साथ 29 पदकों के साथ भारतीय दल पदक तालिका में 18वें स्थान पर रहा। पैरालिम्पिक्स से हम यह बातें सीख सकते हैं।

खेलों को अपनाएं : पैरिस पैरालिम्पिक में 23 खेल विधाएं थीं, लेकिन भारत को अधिकांश सफलता एथलैटिक्स, तीरंदाजी, शूटिंग और बैडमिंटन में मिली। उदाहरण के लिए, तैराकी में 140 पदक दांव पर थे, लेकिन भारत ने सिर्फ एक प्रतिभागी को चुना। स्पष्ट रूप से, सुधार की बहुत गुंजाइश है। भारत को 2028 में लॉस एंजिल्स में कई और पदक जीतने के लिए अन्य खेलों को अपनाने की आवश्यकता है।

हर किसी की एक कहानी है : पैरालिम्पिक पदकों के बारे में कम और प्रतिभागियों के बारे में अधिक है। हर पदक या हर एथलीट के पीछे एक कहानी है। धर्मबीर नैन और प्रणय सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीता। हालांकि, उनमें विकलांगता का अनुपात इतना अधिक है कि उनके प्रदर्शन की भविष्यवाणी करना असंभव है। ट्रैक और फील्ड दल के कोच सत्यनारायण शिमोगा ने कहा कि उनका अपने मल त्याग पर कोई नियंत्रण नहीं है। वे अक्सर प्रतिस्पर्धा करते समय पेशाब कर देते हैं। यदि वे सही स्थिति में नहीं बैठे हैं, तो वे प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। जब तक आप उनकी कहानी नहीं जानते, उनकी सफलता की सराहना करना असंभव है। दल के चिकित्सा प्रमुख डॉ अमेय कागली ने कहा कि प्राची (यादव) ने गंभीर आंख के संक्रमण के बावजूद अपने स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। हमें हर छह घंटे में उसकी आंख की पट्टी बांधनी पड़ती थी।

समर्थन जरूरी है : पैरालिम्पिक के बारे में मीडिया ने विस्तार से रिपोर्ट दी है। सोशल मीडिया पर लाखों लोग ने इन एथलीटों का समर्थन किया है। लेकिन अब जरूरत है कि इनसे जुड़े रहने की। उम्मीद है कि मीडिया और प्रशंसक खेल खत्म होने के बाद भी इन एथलीटों से जुड़े रहेंगे। पैरा इवेंट्स पर नियमित रिपोर्टिंग से यह सुनिश्चित होगा कि उनकी प्रगति रिकॉर्ड की गई है और उसका दस्तावेजीकरण किया गया है। निरंतर रिपोर्टिंग से जागरूकता बढ़ेगी और संभवतः भविष्य में कॉर्पोरेट समर्थन में वृद्धि होगी।

तुलना न करें : ओलिम्पिक और पैरालिम्पिक की तुलना हो रही है। बताया जा रहा कि ओलिम्पिक पर 500 करोड़ खर्च कर सिर्फ 6 पदक मिले, जबकि पैरालिम्पिक पर 20 करोड़ रुपए से ही 29 पदक मिल गए। यह सही तुलना नहीं है। दोनों बहुत अलग टूर्नामेंट हैं और एक की सफलता का इस्तेमाल दूसरे की आलोचना करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पैरालिम्पिक का अधिक समर्थन करें और पैरा खेलों में अधिक निवेश करें। लेकिन पैरालिम्पिक का उदाहरण देकर ओलिम्पियनों को गाली देना गलत है।

विजेताओं को याद रखें: पदक विजेताओं के साथ सबने जश्न मनाया। लेकिन यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हम पूरे दल के साथ जश्न मनाएं। क्योंकि जो इस बार असफल रहे हैं वे कल के चैम्पियन हैं और उन्हें नहीं भूलना चाहिए। पुरुषों की ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार विश्व चैम्पियनशिप में पोडियम तक नहीं पहुंच पाए। अगर उन्हें बाहर कर दिया गया होता, तो छठा स्वर्ण नहीं होता। यहां समग्र समझ बेहद जरूरी है।

श्रेयस अय्यर की फिर हुई उपेक्षा

मुम्बई। मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। दिलीप ट्रॉफी में श्रेयस ने अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इससे साफ है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का भरोसा वह हासिल नहीं कर पाये हैं। इससे पहले उन्हें श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सिरीज में अवसर मिला था। उन्हें गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद एकदिवसीय में अवसर मिला पर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। गंभीर के टीम इंडिया के हेड कोच बनने से श्रेयस की उम्मीदें बढ़ गई थीं क्योंकि आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटर रहे गंभीर के मार्गदर्शन में श्रेयस ने केकेआर की कप्तानी करते हुए खिताब जीता था। दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा था कि उनकी टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है पर ऐसा नहीं हुआ। अय्यर ने दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में पहली पारी में कप्तानी करते हुए केवल 9 रन बनाए थे पर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाया। अय्यर ने पिछले सत्र में घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था जिसके बाद से ही वह बीसीसीआई के निशाने पर आ गये थे। अय्यर ने तब चोटिल होने की बात कही थी पर बोर्ड ने उसे नहीं माना और उन्हें सालाना अनुबंध से भी बाहर कर दिया। ऐसे में साफ है कि उन्हें वापसी के लिए अभी इंतजार करना होगा।

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अवसर मिलने की उम्मीद है। उनका मानना है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिलेगा। इससे वह टी20 के भी अच्छे खिलाड़ी साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें आईपीएल के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है, इसलिए वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। एमएलसी में स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से वाशिंगटन फ्रीडम को पहली बार लीग खिताब मिला। स्मिथ ने इस लीग में 49.00 की औसत और 154.74 के स्ट्राइक रेट से 294 रन बनाये। वह अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। स्मिथ ने फाइनल में भी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ 52 गेंदों में तेजी से 88 रन बनाये थे। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न में पैट कमिंस और हारिस रउफ जैसे तेज गेंदबाज शामिल थे। स्मिथ ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से आईपीएल में एक और अवसर चाहूंगा। मैं अपना नाम खिलाड़ियों की नीलामी में शामिल करूंगा। देखते है कि मुझे आगे बढ़ने का कितना अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, 'मुझे हाल में टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी में जो भी अवसर मिले हैं, मैंने काफी अच्छा खेला है। ऐसे में मैं आईपीएल में अपना नाम शामिल कर इसका आनंद उठाना चाहूंगा। स्मिथ को पिछली दो नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। ऐसे में वह 2021 से आईपीएल का मे नहीं खेल पाये हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि वह इससे निराश नहीं हुए और उनका ध्यान अपने खेल पर रहा है। टी20 टीम में जगह नहीं मिलने पर उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टी20 की बात करूं तो मुझे नहीं पता वहां चयनकर्ता के बीच क्या चल रहा है। उनके पास कुछ अच्छे विकल्प है और वे उसे आजमाना चाहते है। मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। स्मिथ ने कहा, 'मैं समझता हूं कि वे विश्व कप को ध्यान में रख कर ऐसे खिलाड़ियों को वरीयता ह दे रहे हैं जो सहजता से बड़े शॉट लगा सकें। इसलिए मैं इन बातों से परेशान नहीं हूं।

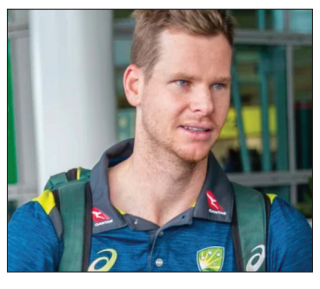

आकाश दीप को मिल सकता है बांग्लादेश के खिलाफ अवसर

मुम्बई। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में इंडिया ए टीम के युवा गेंदबाज आकाशदीप को भारतीय टीम में अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने घरेलू टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंडिया बी के बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया है। आकाशदीप ने पहली पारी में 4 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में भी 5 विकेट लिए हैं। अवसर मिला जिसमें उन्होंने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। उन्हें टीम में जगह मिलना इसलिए भी तय है क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी तक चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण शमी बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा भारतीय टीम के जो खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी खेल रहे हैं। उनमें से कई खिलाड़ियों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं सिराज बिमार होने के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर स बाहर हैं हालांकि उनके बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज तक ठीक होने की संभावना है। इस साल के बचे हुए महीनों में भारतीय टीम को 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

कप्तानों को जल्दबाजी में बर्खास्त न करें: गिलेस्पी, कर्स्टन ने पीसीबी से कहा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के सीमित ओवरों और टेस्ट टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने देश के क्रिकेट बोर्ड को सभी प्रारूपों में हालिया खराब प्रदर्शन के बाद जल्दबाजी में कप्तान नहीं बदलने की सलाह दी है। भारत में 2023 में खेले गए एकदिवसीय विश्व कप के राउंड रॉबिन दौर से बाहर होने के बाद बाबर आजम को सीमित ओवरों की कप्तानी से बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह लेने वाले शाहीन शाह अफरीदी को एक खराब श्रृंखला के बाद हटा दिया गया था। इसी तरह टेस्ट में बाबर के इस्तीफा देने के बाद, शान मसूद को कप्तान बनाया गया था, लेकिन बांग्लादेश से टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हार के बाद उन्हें तुरंत बाहर करने की मांग उठ रही है।

पीसीबी के एक सूत्र ने हालांकि 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मसूद और बाबर की बर्खास्तगी के बारे में हालिया मीडिया अटकलें कयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''कप्तानों को बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने यह फैसला दोनों कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है।'' सूत्र ने कहा, ''कर्स्टन और गिलेस्पी बहुत स्पष्ट है कि शान और बाबर दोनों को उनकी नेतृत्व क्षमता का आकलन करने से पहले उचित समय दिए जाने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि दोनों कोच कप्तानी में निरंतरता चाहते हैं और उन्होंने यह बात बोर्ड को साफ तौर पर बता दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब बोर्ड इस महीने के अंत में लाहौर में 'क्रिकेट कनेक्शन' नामक एक दिन की कार्यशाला आयोजित करेगा तो कप्तानी या टीम चयन पर चर्चा नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ''वह कार्यशाला सभी हितधारकों, मुख्य रूप से घरेलू टीम के सभी कोच, चयनकर्ताओं और अनुबंधित खिलाड़ियों के विचारों को सुनने के लिए आयोजित की जा रही है ताकि बोर्ड घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानकों के बीच अंतर को पाटने पर काम कर सके।''

सूत्र ने यह भी बताया कि इस कार्यशाला में कर्स्टन भी मौजूद रहेंगे जबकि गिलेस्पी इसमें ऑनलाइन तरीके जुड़ेंगे। पीसीबी प्रमुख से कहा था कि सभी प्रारूपों में टीम से दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने के लिए नीतियों में धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''कार्यशाला मूल रूप से इसलिए आयोजित की जा रही है क्योंकि दोनों कोच चाहते हैं कि घरेलू टीम के कोच इस बात को अच्छी तरह से समझे कि राष्ट्रीय टीम के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए क्या जरूरी है।'' यह पूछे जाने पर कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला और फिर देश में आयोजित होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए किसे कप्तान नियुक्त किया जाएगा, सूत्र ने कहा कि सफेद गेंद के प्रारूप में निरंतरता को बनाये रखते हुए शायद बाबर को ही जिम्मेदारी दी जाये।

बच्चे को सिखाएं हाथ से लिखना

नार्वे की सत्वेंगर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया है कि टाइप करने के बजाय पेपर पर लिखने वाले बच्चे या छात्र कहीं बेहतर तरीके से अपना अभ्यास करते हैं। कम्प्यूटर पर टाइप करके लिखना छोटे बच्चों के लिए ठीक नहीं है। इससे उसकी सीखने की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है और वह आलसी बन सकता है। पेन से किसी पेपर पर लिखने या किताब पढ़ने की प्रक्रिया से मस्तिष्क अच्छी तरह काम करता है। लेकिन कम्प्यूटर पर काम करते रहने से बच्चे की सीखने की क्षमता पर असर पड़ता है। दरअसल पढ़ने और लिखने में कई प्रकार की ज्ञानेन्द्रियां काम करती हैं और लिखने से हमारा मस्तिष्क मांसपेशियों द्वारा उत्तेजित हो कर स्वतंत्र रूप से, और सुचारू ढंग से काम करता है। रिपोर्ट बताती है कि इस प्रकार की प्रतिक्रिया किसी की-बोर्ड को छूकर उस पर टाइप करने से मिलने वाली प्रतिक्रिया के मुकाबले अधिक मजबूत होती है और सीखने की प्रणाली को ठोस बनाती है। हाथ से लिखने की प्रक्रिया में दिमागी कसरत होती है और हाथ से लिखने में अधिक समय लगने से दिमाग पर लिखे हुए की गहरी छाप पड़ती है। इस प्रकार शोध के नतीजे दर्शाते हैं कि लिखने और पढ़ने के समय मस्तिष्क के विभिन्न हिस्से प्रोत्साहित होते हैं। इसलिए अपने बच्चों को समझाएं कि हाथ से लिखने में फायदा ही फायदा है।

वेजिटेबल मोमोज

सामग्री - 200 ग्राम मैदा, एक चुटकी नमक, गुनगुना पानी, 50 ग्राम तेल।
भरने के लिए - 250 ग्राम मिलीजुली सब्जियां, बारीक कटा लहसुन, दो हरे प्याज व एक इंच अदरक का टुकड़ा, एक छोटा चम्मच अजीनोमोटो, नमक स्वादानुसार, एक चम्मच सिरका, एक- दो बारीक कटी हरी मिर्च।
विधि - नमक मिलाकर मैदे को गुनगुने पानी से नरम मल लें। आधे घंटे के लिए ढंककर रखें। दोबारा मलें व पतली-पतली पूरियां बेल लें। भरावन की सामग्री मिलाएं। प्रत्येक पूरी पर एक बड़ा चम्मच भरावन रखें व गुझिया की तरह मोड़ लें। थोड़ा तेल चुपड़े। एक भिगोने में पानी उबालने रखें। एक चलनी को चिकना करके रखें। इसमें सभी मोमोज को जमा दें। एक प्लेट उलटी कर ढंक दें। तकरीब 20 मिनट तक भाप दें। सॉस के साथ सर्व करें।

चीज स्ट्रॉ

सामग्री

एक कप मैदा, 100 ग्राम घी, दो क्यूब कद्दूकस किया हुआ चीज, आधा कप दूध, नमक और लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि

मैदे को छान लें। 50 ग्राम घी, चीज, नमक और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और इसे दूध से अच्छी तरह मल लें। इसे एक मोटी रोटी की तरह बेलकर लंबी स्ट्रिप्स में काटें। हर स्ट्रिप को ट्विस्ट करें और घी से चुपड़ी ट्रे में रखकर गोल्डन होने तक बेक करें। ठंडा करके सर्व करें।

दीवारों को जब सजाना हो

आप अपने घर को मॉडर्न लुक देना चाहती हैं, तो उसे रंगवाने की बजाय वॉलपेपर से डिजाइन करवा सकती हैं। इन दिनों मार्केट में स्टाइलिश व डिजाइनर वॉलपेपर छाए हुए हैं। इनसे आप अपने घर के हर कोने को मॉडर्न लुक दे सकती हैं। आइए, जानते हैं कुछ खास वॉलपेपर्स के बारे में। हर किसी का ख्वाब होता है कि उसका घर सुंदर व सलोना हो। जो भी उसे देखे बस देखता ही रहे और बिना तारीफ किए बिना न रह पाए। ऐसे में अगर आप दीवारों को वॉलपेपर से कवर करते हैं, तो यह पेंट का काम तो करता है, साथ ही इससे घर की डेकोरेशन भी हो जाती है। फ्लावर, एनिमल के अलावा मेटालिक व रेट्रो थीम वाले वॉलपेपर घर का मूड भी बदल देते हैं। आप इन वॉलपेपर्स से अपने घर की दीवारों पर मनचाही डिजाइनें उकेर सकती हैं।

हाईलाइट करें : घर में पेंट की जगह वॉलपेपर लगवाना बिल्कुल नया ट्रेंड है। मेट्रो सिटीज में इसका चलन तेज है। अगर आप चाहती हैं कि आपके हर रूम में ग्रीनरी का अहसास हो या आपको एनिमल बहुत पसंद हैं, तो आप नेचर या एनिमल प्रिंटेड वॉलपेपर अपने घर में लगवा सकती हैं। इससे आपके घर को मॉडर्न लुक तो मिलेगा। साथ ही आपका घर दूसरों से बिल्कुल अलग दिखेगा। इससे दीवारों को खूबसूरत बनाने के साथ ही हाईलाइट भी किया जा सकता है। आप अपने घर के कुछ हिस्से हाईलाइट करना चाहते हैं, तो सिर्फ उतनी ही जगह में वॉलपेपर लगवा सकते हैं। इससे वह कॉर्नर या रूम डिफरेंट-सा लगने लगता है।

हर रूम हो खास : मार्केट में वॉलपेपर्स में ढेरों वैराइटी मौजूद है, इन्हें आप अपनी च्वॉइस के मुताबिक चुन सकती हैं। आप बेडरूम के लिए रेड या ब्लू-कलर के रोमांटिक वॉलपेपर्स चुनें। वहीं ड्राइंग रूम में फ्लावर, एनिमल, पेड़- पौधों वाले वॉलपेपर्स लगा सकती हैं। अगर आपके घर में कोई शादी या पार्टी है, तो आप गोल्डन या सिल्वर कलर के वॉलपेपर्स लगवाएं। इससे आपके घर का पूरा लुक पार्टीनुमा हो जाता है। वहीं ब्राइड के रूम में भी रेड या पिंक कलर के वॉलपेपर्स में ग्लिटर व स्पार्कल का यूज बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

शॉपिंग से दूर भागे टेंशन

शॉपिंग से न सिर्फ आप अपनी जरूरतें पूरी करती हैं, बल्कि कई बार यह आपके टेंशन को भी दूर करता है। अब तो लोग जब टेंशन में होते हैं तो शॉपिंग करने निकल पड़ते हैं। यह अलग बात है कि इस तरह की इमोशनल शॉपिंग उनकी प्रॉब्लम का परमानेंट इलाज नहीं है।

इमोशनल स्पेंडिंग का मतलब ऐसी शॉपिंग से है, जो आपके मूड को अच्छा कर दे। साइकोथेरेपिस्ट और काउंसलर इस तरह की मार्केटिंग को रिटेल थेरेपी भी कहते हैं। वे इसे स्ट्रेस दूर करने का बढ़िया तरीका भी मानते हैं। यानी जब भी आपको अकेलापन, चिंता, तनाव या उदासी सताने लगे, इस थेरेपी को आजमा सकती हैं।

शॉपिंग के नए मायने

शॉपिंग के दौरान एक व्यक्ति सिर्फ एक प्रॉडक्ट नहीं खरीदता, बल्कि वह अपने लिए ढेर सारी संतुष्टि भी प्राप्त करता है। इसका मतलब हुआ कि शॉपिंग के जरिए आप अपनी खोई हुई मुस्कान वापस पा सकती हैं और साथ ही यह आपको ईगो बूस्ट भी देगा। इसके साथ प्रॉब्लम यह है कि इसके तहत इंसान बिना जरूरत ही चीजें खरीदता है। यानी कि वह अपने अंदर का खालीपन इस शॉपिंग के जरिए भरने की कोशिश करता है।

फील गुड शॉपिंग

इमोशनल स्पेंडिंग को फील गुड शॉपिंग भी कहते हैं। भले ही इसमें लोग बिना जरूरत के ही पैसा खर्च करते हैं। इसके हैपी इफेक्ट्स भी काफी हैं। ऐसी शॉपिंग के बाद न सिर्फ मूड बेहतर हो जाता है, बल्कि इंसान अपने लिए भी अच्छा सोचता है। साथ ही, यह टूटी हुई रिलेशनशिप, लो सेल्फ एस्टीम, जॉब जाने का डर और डिप्रेशन से बाहर आने का भी एक अच्छा तरीका है।

क्या कहते हैं मनोवैज्ञानिक

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार अगर लोगों का इमोशनल एनालिसिस किया जाए, तो कहीं न कहीं सभी के अंदर अकेलेपन का अहसास होता है। हालांकि इसे भरने के उनके पास अलग-अलग तरीके हैं। कुछ लोग इसके लिए क्रिएटिविटी दिखाते हैं और खुद को डांस, म्यूजिक, राइटिंग जैसी अच्छी चीजों में इंवॉल्व कर लेते हैं। वैसे अंदर के वैक्यूम को भरना आसान नहीं होता है, लेकिन सभी को अपने तरीके पर चेक तो रखना ही चाहिए। अब शूज, बैग्स, परफ्यूम्स, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक्स और वॉचेज वगैरह को लेकर लोगों का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इमोशनल स्पेंडिंग में कोई बुराई नहीं मानते।

लांग टर्म बेनिफिट

इमोशनल स्पेंडिंग का सीधा कनेक्शन ओवर एक्सपेंडिचर से है। ऑफ मूड में लोग बिना सोचे-समझे शॉपिंग करते हैं और अक्सर फालतू की चीजें खरीदते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। यह लॉन्ग टर्म बेनिफिट पर होता है। शॉपिंग के बाद एक बार को इंसान अच्छा महसूस करता है, लेकिन थोड़े समय बाद वह वापस लो-मूड में चला जाता है। इस तरह के मार्केटिंग में कभी-कभी कुछ जरूरी चीजें खरीद ली जाती है, जिसका बाद में जरूरत पड़ती है।

बचने के उपाय

» इससे बचने का बेस्ट तरीका यही है कि आप अपनी प्रॉब्लम को खुलकर स्वीकार करें। दूसरा स्टेप यह होना चाहिए कि आप चेक करें कि आप किस वजह से इमोशनल स्पेंडिंग कर रही हैं। इस वजह को पहचानने के बाद अपने पैरेंट्स या स्पाउस से रिलेशंस सुधारने की कोशिश करें।

स्टाइलिस लुक के चक्कर में यूथ तरह-तरह डिजाइनर कपड़े ट्राई करते हैं। ये सोचते हैं कि डिजाइन कपड़े पहन लेने मात्र से सुंदरता मुट्ठी में की जा सकती है। अगर आप ऐसा ही सोचती हैं तो शायद आपकी यह सोच गलत हो सकती है, क्योंकि कपड़े से ज्यादा उसकी फिटिंग आपको आकर्षक बनाती है।

फिटिंग हो फिट

ज्यादातर लड़कियां बिना सोच-समझे कपड़ों की खरीददारी करती हैं, जो बाद में उनके लिए गलत फिटिंग के रूप में एक समस्या बन जाती है। आइए जानते हैं कैसे इन समस्याओं को दूर कर आकर्षक व्यक्तित्व पाया जा सकता है। केवल डिजाइनर ड्रेस पहनने से ही कोई खूबसूरत लगने लगे, तो भला और किसी चीज की क्या आवश्यकता। स्मार्ट दिखने के लिए बॉडी का शेप में होना जरूरी है। लड़कियां हमेशा शॉपिंग के दौरान परेशान रहती हैं, कि क्या खरीदना है, कहां से खरीदना है। लेकिन समस्या ट्रायल के दौरान ही देखने को मिलती है। जब पसंद किए गए कपड़े सही फिटिंग के नहीं होते हैं।

गलत पसंद का दुष्प्रभाव

इन दिनों लड़कियां केवल शॉपिंग के तौर पर वस्तुओं की सूची बनाकर और उसे खरीदना ही अच्छा समझती हैं, लेकिन उनकी यह सोच तब गलत हो जाती है, जब उनके पसंद के डिजाइनर कपड़े फिट नहीं आते हैं। इससे लड़कियों के मन पर बुरा असर पड़ता है। एक सर्वे के अनुसार 64 प्रतिशत गर्ल्स का मानना है कि शॉपिंग के बाद, जब उनके पसंद की ड्रेस फिट नहीं होती, तो उनका मन नकारात्मक भावनाओं से भर जाता है, जिससे उनके स्वभाव पर गलत असर पड़ता है।

दूर करें झिझक

ऐसी लड़कियां जिनकी बॉडी सही शेप में नहीं होती है, वे अपने लिए पार्टी वियर खरीदते समय शॉप पर दूसरे का उदाहरण देकर साइज बताती हैं, न कि अपना सही ब्योरा देती हैं। वो हमेशा, यह जोड़ देती हैं कि वह महिला काफी हद तक उनसे मिलती है, जिससे शॉप पर लोगों की नजरों का सामना न करना पड़े। कपड़ों की फिटिंग को ले कर, झिझक होने के कारण 60 प्रतिशत युवतियां दूसरों के सामने नए कपड़े ट्राई नहीं करती हैं। वहीं करीब 28 प्रतिशत युवतियां नए कपड़ों को घर पर ही ट्राई करना ज्यादा उचित समझती हैं।

तलाशें सही रास्ता

कभी किसी बात को लेकर चिंता करके बैठने से कोई फायदा नहीं होता कुछ ऐसा ही मानना है, माडर्न गर्ल्स का। जिनमें बॉडी शेप को लेकर हमेशा नकारात्मक भावना ही नहीं रहती है। 80 प्रतिशत लड़कियां मानती हैं, कि नए कपड़े पहनते समय अगर वे उन पर फिट नहीं होतें हैं, तो वे वजन कम करने के रास्ते तलाशने लगती हैं। अधिकतर कमर की चौड़ाई कम करना चाहती हैं। उनका मानना है, कि बॉडी की सही फिटनेस हमारे हाथ में होती है। जिसको हम मनचाहे रूप में पा सकते हैं। फिर भला चिंता किस बात की। जबकि होना यह चाहिए कि आप अपने बॉडी शेप के अनुसार ही कपड़े खरीदें।

घर पर करें विचार

शापिंग की जल्दबाजी अक्सर गलत साबित होती है। अतः मार्केट निकलने से पहले घर पर सभी से राय जरूर ले लेना चाहिए। हो सकता है, कुछ नयी चीज आपको मिल जाए, जो शायद अक्सर नहीं मिलती है। शॉप पर अलग-अलग ब्रांड की ड्रेसेज के साइज में अंतर होने से इस तरह का कंफ्यूजन होता है। कई बार जब हम दूसरे के लिए कपड़े व चप्पल खरीदने जाते हैं तो अक्सर इस समस्या का सामना करना पड़ता है इसलिए इस तरह के कंफ्यूजन को घर में ही दूर करना ज्यादा बेहतर होता है।

ट्रायल का उठाएं फायदा

कपड़ों की खरीदारी करना अलग बात है और फिटिंग रूम में ट्रायल लेना अलग। अगर देखा जाए तो 76 प्रतिशत लड़कियां फिटिंग रूम में एक ही बार ड्रेस ट्राई करना पसंद करती है। अगर फिटिंग सही होती है, तो अपनी पसंद के कलर को ध्यान में रख कर उसी नाप का दूसरा पीस पैक करा लेती है। उन्हें ड्रेस ट्राई करना बोरिंग काम लगता है। इसलिए वे एक से अधिक बार ट्रायल रूम का रूख नहीं करना चाहती हैं। जिससे सही फिटिंग न होने पर भी वो दोबारा ट्राई नहीं करती है और उसी ड्रेस को खरीद लेती हैं।

संक्षिप्त समाचार

अल्जीरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान समाप्त, तेब्बौने के दौबारा सत्ता में आने की संभावना

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है,

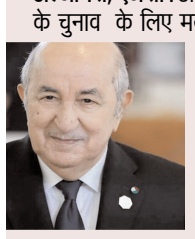

जिसमें देश की जनता यह फैसला करेगी कि सेना समर्थित राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने को एक और पांच साल का कार्यकाल दिया जाए या नहीं। अल्जीरिया ने इस साल की शुरुआत में चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। अब्देलमदजीद तेब्बौने को परिणामों की अंतिम घोषणा के बाद विजेता करार दिए जाने की संभावना है। सेना समर्थित राष्ट्रपति तेब्बौने ने शनिवार को मतदान के बाद कहा कि वह आशा करते हैं, जो भी जीतेगा वह लोकतंत्र के निर्माण में उस बिंदु की ओर बढ़ता रहेगा जहां से वापसी संभव नहीं होगी। तेब्बौने के समर्थकों और चुनौती देने वालों ने मतदाताओं से मतदान करने के लिए आगे आने का आग्रह किया है क्योंकि पिछले चुनावों में बहिष्कार और बड़ी संख्या में लोगों के मतदान से दूर रहने के कारण सरकार को समर्थन जुटाने में परेशानी आयी थी। बहरहाल, इसके बावजूद अल्जीयर्स में कई मतदान केंद्र खाली रहे और वहां केवल पुलिस अधिकारी दिखें, जो मतदान केंद्रों की सुरक्षा में तैनात थे।

तूफान 'यागी बरपा रहा कहर, वियतनाम में 4 लोगों की मौत, 78 अन्य घायल

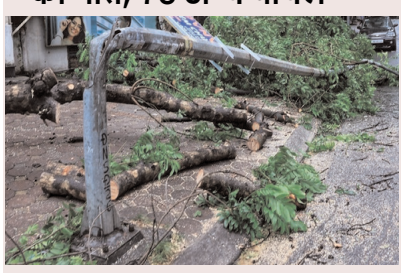

हनोई, एजेंसी। तूफान 'यागी शनिवार दोपहर को वियतनाम के उत्तरी हिस्से में टकराया, जिसके कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई तथा 78 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वियतनामी मौसम विज्ञान अधिकारियों ने यागी को ''पिछले दशक में इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक बताया है। 'यागी दक्षिण चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान तट से टकराने के बाद वियतनाम पहुंचा। 'यागी के चलते हैनान में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 अन्य घायल हुए। वियतनाम की सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, तूफान ने वियतनाम के तटीय प्रांतों क्वांग निन्ह और हैफोंग में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दी। इसके मुताबिक, तूफान के टकराने से पहले तेज हवाओं के कारण एक पेड़ गिर गया, जिससे राजधानी में एक महिला की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया की खबर के मुताबिक, तूफान के टकराने से पहले क्वांग निन्ह प्रांत में स्थित वैश्विक विरासत स्थल पर सैकड़ों क्रूज का संचालन रद्द कर दिया गया। तूफान के कारण क्वांग निन्ह और थाई बिन्ह प्रांतों के बड़े हिस्से में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है।

अजरबैजान ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने की इच्छा जताई

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को सुलझाने में हिस्सा लेने की इच्छा व्यक्त की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया एजेआरटीएसी के हवाले से बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रपति ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि उनका देश दो देशों के बीच शांति बनाने में मदद करने के लिए तैयार है, क्योंकि अजरबैजान दोनों देशों के साथ ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंध रखता है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के साथ अजरबैजान 70 वर्षों तक सोवियत संघ का हिस्सा था, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के बीच और राजनीतिक स्तर पर गहरे संबंध स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा, हम रूस और यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बहुत अच्छा मानते हैं। हम यूक्रेन और सभी देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का दृढ़ता से समर्थन करते हैं। हालांकि, उन्होंने रूस विरोधी प्रतिबंध अभियान में अपने देश की भागीदारी से इनकार किया तथा दोनों देशों के साथ अपने संबंधों के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण बनाए रखा। अलीयेव ने कहा कि हालांकि अजरबैजान ने संघर्ष मध्यस्थता में अग्रणी भूमिका निभाने की कोशिश नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया : सिडनी के पास दर्ज किया गया 4.5 तीव्रता का भूकंप

सिडनी , एजेंसी। सिडनी के उत्तर-पश्चिम में शनिवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.5 दर्ज की गई, जिससे हजारों लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप विज्ञान अनुसंधान केंद्र ने सिडनी से लगभग 170 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, न्यू साउथ वेल्स राज्य के अपर हंटर क्षेत्र में, मुसवेलब्रुक शहर के पास भूकंप दर्ज किया। स्थानीय समयानुसार यह भूकंप सुबह 5 :58 बजे आया। जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि भूकंप पांच किलोमीटर की गहराई पर आया था और लोगों ने सिडनी में इसे महसूस किया। नाइन एंटरटेनमेंट अखबार के अनुसार, भूकंप के बाद मुसवेलब्रुक और उसके आसपास के 2,748 घरों और अन्य स्थानों में लोगों को बिजली कटौती की समस्या से जूझना पड़ा। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि उन्हें भूकंप प्रभावित क्षेत्र में किसी के घायल होने या बुनियादी ढांचे को नुकसान होने की जानकारी नहीं है।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर का विरोध, लेफ्ट ने किया प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की नियुक्ति का विरोध शुरू हो गया है। लेफ्ट के प्रदर्शनकारियों ने पेरिस समेत पूरे देश में रैली निकाली। इस दौरान प्रधानमंत्री बार्नियर का विरोध किया गया। साथ ही राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो पर सत्ता हड़पने का आरोप लगाया। देश के पेरिस समेत नैनटेस, नीस, मार्सिले और स्ट्रासबर्ग में लोगों ने रैली निकाली।

फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि रैली में एक लाख लोग शामिल हुए। जबकि लेफ्ट नेता ने कहा कि पूरे फ्रांस में तीन लाख लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के ने बृहस्पतिवार को मिशेल बार्नियर को नया प्रधानमंत्री नामित किया था। बार्नियर यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेग्जिट वार्ताकार रहे हैं। यह नियुक्ति दो महीने पहले हुए चुनाव के बाद की गई। राष्ट्रपति मैक्रों ने जुलाई में पूर्व प्रधानमंत्री गेब्रिएल एटल और उनकी सरकार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था, जब संसदीय चुनाव के दूसरे दौर में उनके गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा।

लेफ्ट गठबंधन चाहता था कि 37 वर्षीय अर्थशास्त्री लूसी कास्टेट्स प्रधानमंत्री बनें, लेकिन राष्ट्रपति मैक्रो ने वह संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाएंगीं। इसे लेकर प्रदर्शनकारियों ने मैक्रो पर भी गुस्सा जाहिर किया और उनसे इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शनकारी

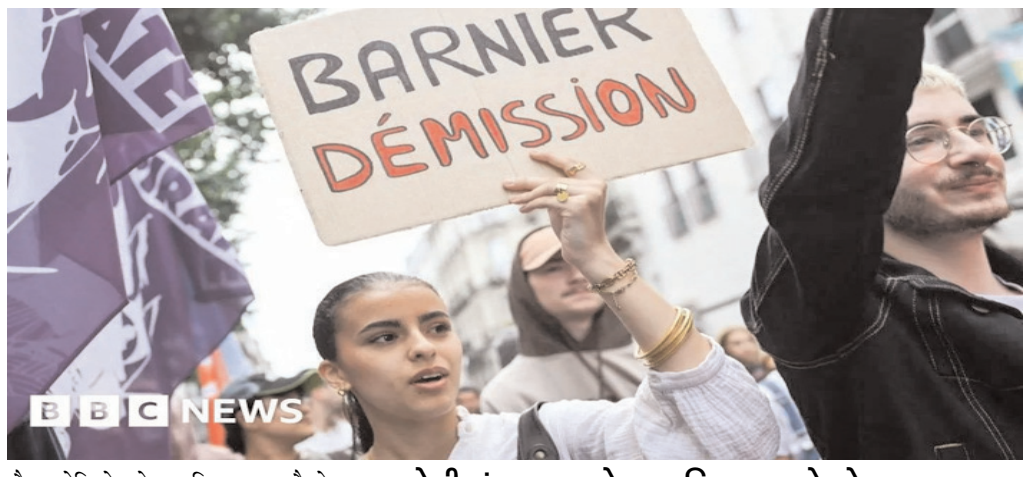

मैनन बोनिजोल ने कहा कि जब तक मैक्रो सत्ता में हैं, तब तक अपना मत देना बेकार है। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने मैक्रो पर मतदाताओं की इच्छा के विरुद्ध नियुक्ति करने का आरोप लगाया।

वहीं विरोध के बाद प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर ने कहा कि वह सभी राजनीतिक विचाराधारा के लोगों को साथ लेकर चलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी फ्रांसीसी लोगों की निगरानी में हूं। बजट, सुरक्षा, आव्रजन, सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी बार्नियर ने कहा कि वह सबकी बात सुनेंगे। बार्नियर को अभी संसद में विश्वास मत हासिल करना है। इसके बाद उन्हें 2025 तक बजट भी पेश करना है।

यूक्रेनी संसद भवन के पास मिला रूस के ड्रोन का मलबा, 67 हमले; सबसे सुरक्षित क्षेत्र भी हाई अलर्ट पर

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर पिछले 24 घंटों में बड़े पैमाने पर हमले किए। इन हमलों में रात भर में कुल 67 लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च किए गए। इनमें से 58 को यूक्रेन की वायु सेना मार गिराने में सफल रही। यूक्रेनी वायु सेना ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि राजधानी कीव में संसद भवन के ठीक बगल में भी ड्रोन का मलबा पाया गया। यूक्रेन के 11 क्षेत्रों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यूक्रेन ने कहा, किसी रूसी मिसाइल या ड्रोन का मध्य कीव में इतनी दूर तक आना बेहद दुर्लभ है। यह चिंता की बात है क्योंकि यह शहर सोवियत-युग और पश्चिमी-प्रदत्त वायु रक्षा प्रणालियों के नेटवर्क से संरक्षित है। शहर के केंद्र में पहाड़ी पर स्थित सरकारी क्वार्टर शायद यूक्रेन में सबसे अच्छी तरह से सुरक्षित जगह है, क्योंकि इसमें राष्ट्रपति, कैबिनेट और केंद्रीय बैंक के कार्यालय भी हैं। लेकिन इतने सुरक्षित क्षेत्र में संसद भवन के पास जमीन पर मलबे के कम से कम चार टुकड़े बिखरे हुए दिखाई दिए हैं। फरवरी 2022 में हमले की शुरुआत के बाद से, मॉस्को ने यूक्रेन में हजारों मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए हैं। ईरान द्वारा डिजाइन किए गए ड्रोन का इस्तेमाल सितंबर 2022 से मिसाइलों के सस्ते और अधिक खर्चीले विकल्प के रूप में किया जा रहा है। प्रोपेलर-संचालित शाहेड ड्रोन 200 किमी प्रति घंटे (125 मील प्रति घंटे) से कम की गति से उड़ान भरता है।

पुतिन के बाद पीएम जॉर्जिया मेलनी ने कहा- भारत सुलझा सकता है रूस-यूक्रेन विवाद

रोम, एजेंसी। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलनी ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उत्तरी इटली के सेर्नोबियो शहर में बैठक की। बातचीत के बाद मेलोनी ने कहा कि भारत और चीन रूस-यूक्रेन विवाद को सुलझा सकते हैं। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी मौजूदा संकट को समाप्त करने में भारत के प्रयासों पर जोर दिया था।

इतालवी मीडिया के अनुसार, पीएम मेलनी ने कहा, रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने में चीन और भारत को भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि यूक्रेन को उसके भाग्य पर छोड़ कर संघर्ष का समाधान किया जा सकता है। मेलोनी ने यूक्रेन के लिए अपनी सरकार के पूर्ण समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा, कीव को समर्थन देने का निर्णय इटली के राष्ट्रीय हित के अनुरूप है और यह कभी नहीं बदलेगा। इससे पहले व्लादिवोस्तोक में बृहस्पतिवार को 9वें ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस मुद्दे को सुलझाने में मदद करने में भारत की भूमिका का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि मैं चीन, ब्राजील, भारत में अपने साझेदारों के संपर्क में हूं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन देशों के नेताओं का एक दूसरे के साथ विश्वास का रिश्ता है, मुझे भरोसा है कि वे हमारी मदद करने में रुचि लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को यूक्रेन का दौरा किया था, इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की को बताया था कि यूक्रेन और रूस दोनों को चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए समय बर्बाद किए बिना एक साथ बैठना चाहिए। भारत क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

18 साल के हुए प्रिंस हिसाहितो; शाही परिवार को 40 वर्षों के बाद मिला नौजवान वारिस

टोक्यो, एजेंसी। जापान में 40 साल बाद शाही परिवार का कोई सदस्य वयस्क हुआ है। 58 वर्षीय क्राउन प्रिंस फुमिहितो और 57 वर्षीय क्राउन प्रिंसेस किको के इकलौते बेटे प्रिंस हिसाहितो ने शुक्रवार को अपना 18वां जन्मदिन बनाया। लगभग एक हजार साल से जापान की सत्ता पर काबिज प्रिंस फुमिहितो 40 साल पहले वयस्क हुए थे। प्रिंस हिसाहितो सम्राट नारुहितो के भतीजे और जापान के क्रिसेंथेमम सिंहासन के दूसरी रेखा के उत्तराधिकारी हैं। यह परिवार लगभग एक हजार साल से जापान की सत्ता पर काबिज है। लेकिन काफी वक्त से परिवार में कोई जवान पुरुष नहीं था।

अनुभवों से और ज्यादा सीखेंगे क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अपने 18वें जन्मदिन के मौके पर प्रिंस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अनुभवों से और ज्यादा सीखूंगा और तमाम पहलुओं को समझते हुए आगे बढ़ूंगा। उन्होंने अपने माता-पिता और बहनों का भी आभार व्यक्त किया। 6 सितंबर, 2006 को जन्मे प्रिंस हिसाहितो सुकुबा विश्वविद्यालय के ओत्सुका में सीनियर हाईस्कूल के तीसरे वर्ष के छात्र हैं। जापान में राजा बनने की दौड़ में अपने पिता क्राउन प्रिंस फुमिहितो के बाद उनका ही नाम आता है।

लेबनान हमले के जवाब में हिजबुल्ला की कायराना हरकत, उत्तरी इस्राइल के रिहायशी इलाके में दागे रॉकेट

बेरूत, एजेंसी। इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार तड़के हिजबुल्ला ने उत्तरी इस्राइल के एक शहर पर रॉकेट दागे। इससे पहले इस्राइल ने लेबनान के एक शहर पर हमला किया। इसमें तीन नागरिक सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। हिजबुल्ला की ओर से कहा गया कि उसने दुश्मन के हमलों का जवाब देते हुए किरयात शमोना पर रॉकेट दागे। लेबनान के फ्रौन गांव में इस्राइली हमले में तीन लोगों की मौत के जवाब में यह कार्रवाई की गई। वहीं लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल ने लेबनान के नागरिक सुरक्षा दल को निशाना बनाया। सुरक्षा दल फ्रौन गांव में लगी आग को बुझा रहा था। इस हमले में तीन नागरिक सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग घायल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस्राइल के हमले की निंदा की। यह 12 घंटे से कम समय में आपातकालीन टीम पर दूसरा हमला है। लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने भी इस्राइल के हमले को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवीय मूल्यों का उल्लंघन बताया वहीं हिजबुल्ला के सहयोगी अमल मूवमेंट ने बयान जारी किया कि इस्राइल के हमले में उसके भी दो सदस्य मारे गए। हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस बीच, इस्राइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच भी युद्ध छिड़ता दिख रहा है। इस्राइल-हिजबुल्ला के बीच बीते रविवार को संघर्ष हुआ था। जब इस्राइल ने

हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले किए। इसके जवाब में हिजबुल्ला ने भी इस्राइल पर कार्रवाई की। इस्राइल अधिकारियों के मुताबिक हिजुबल्ला ने अपने कमांडर फुआद शुक्र की हत्या का बदला लेने के लिए हजारों रॉकेटों से उसके प्रमुख खुफिया केंद्र पर हमला करने की योजना बनाई थी, लेकिन इस्राइली रक्षा बलों की सतर्कता से इस पर काबू पाया गया। इसके चलते ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि एक इस्राइली सैनिक और लेबनान में तीन लोगों की मौत हो गई।

तुर्किये के राष्ट्रपति का बड़ा बयान- इस्लामी देशों के गठबंधन से ही रोका जा सकता है इस्राइली आतंकवाद

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति रैचप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि इस्राइली आतंकवाद को रोकने के लिए इस्लामी देशों को एकजुट होना होगा। एर्दोगन ने कहा कि इस्राइल की विस्तारवादी नीति बढ़ती जा रही है। तुर्किये के राष्ट्रपति के इस बयान पर इस्राइली विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताई है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में एक तुर्किये-अमेरिकी मूल की महिला की वेस्ट बैंक इलाके में कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महिला इस्राइल द्वारा वेस्ट बैंक में नई बस्ती बसाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थी।

पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते सुधारने में जुटा तुर्किये : इस्तांबुल में इस्लामिक स्कूल एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए एर्दोगन ने कहा कि इस्राइल के अहंकार और इस्राइली आतंकवाद को रोकने का एक ही तरीका है और वो है इस्लामी देशों का गठबंधन। तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के समय में उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे

मिस्त्र और सीरिया के साथ तुर्किये के संबंध बेहतर हो सकें। तुर्किये के राष्ट्रपति पड़ोसी देश सीरिया के साथ भी अपने रिश्तों को मजबूत करने में जुटे हैं। सीरिया में साल 2011 में गृह युद्ध छिड़ने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था।

अरब देशों के साथ भी रिश्ते बेहतर कर रहा तुर्किये : इसी हफ्ते मिस्त्र के राष्ट्रपति ने तुर्किये का दौरा किया था। इस दौरे पर दोनों देशों के नेताओं के बीच गाजा युद्ध को लेकर चर्चा हुई थी। यह मिस्त्र के किसी राष्ट्रपति का बीते 12 वर्षों में पहला तुर्किये दौरा है। तुर्किये संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भी अपने रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। एर्दोगन के बयान पर इस्राइल के विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि एर्दोगन का बयान खतरनाक झूठ और भड़काऊ है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुर्किये के राष्ट्रपति लंबे समय से ईरान के साथ मिलकर अरब देशों के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूरोप में यहूदियों को निशाना बनाने की साजिश का भंडाफोड़, ईरान के खुफिया एजेंट्स पेरिस में गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों की गिरफ्तारी से एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का पर्दाफाश हुआ है। दरअसल ईरान की सीक्रेट सर्विस ने यूरोपीय देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस आदि में यहूदी लोगों को निशाना बनाने की योजना बनाई है। ईरान की सीक्रेट सर्विस की योजना यूरोपीय देशों और वहां रह रहे यहूदी लोगों में दहशत फैलाना है।

मई में एक दंपति को पेरिस पुलिस ने गिरफ्तार किया : पेरिस पुलिस ने मई में अब्देलकरीम एस (34 वर्षीय) और सबरीना बी (33 वर्षीय) नामक एक दंपति को गिरफ्तार किया था। दोनों पर आतंकी संगठन के साथ मिलकर साजिश रचने और यूरोपीय देशों में यहूदी लोगों की हत्या की साजिश रचने का आरोप तय किया गया है। गुरुवार को इस मामले का खुलासा हुआ है, जब फ्रांस की एक न्यूज वेबसाइट ने इसे लेकर खबरें प्रकाशित की। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप में ईरान द्वारा राज्य द्वारा पोषित आतंकवाद को फिर से खड़ा करने की साजिश रची जा रही है।

यहूदी लोग थे आतंकियों के निशाने पर : फ्रांस की सिक्योरिटी एजेंसी का कहना है कि ईरान ने साल 2015 में सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स द्वारा टारगेट किलिंग की शुरुआत की थी, लेकिन अब

इस्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से इसमें तेजी आई है। ईरान पर आरोप है कि उसने अपनी इस साजिश के तहत अपराधियों की भर्ती की, जिनमें ड्रग तस्कर आदि शामिल हैं। फिलहाल गिरफ्तार अब्देलकरीम एस भी हत्या के मामले में 10 साल की सजा काट रहा था और बीते साल जुलाई में ही प्रोबेशन पर रिहा हुआ था। फ्रांस में ईरान से पोषित आतंकी सेल का संचालन करने का आरोप अब्देलकरीम पर ही है। जांच में पता चला है कि आतंकियों के निशाने पर पेरिस स्थित एक इस्राइली सिक्योरिटी कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। साथ ही तीन इस्राइल-जर्मन नागरिक भी आतंकियों के निशाने पर थे।

उत्तर कोरिया ने फिर से शुरू किए गए अभियान में 190 वेस्ट मटेरियल वाले गुब्बारे उड़ाए

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपना गुब्बारा अभियान फिर से शुरू किया है। सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि स्क्रैप पेपर और वेस्ट मटेरियल से भरे लगभग 190 गुब्बारे दक्षिण की ओर उड़ाए गए। इनमें से कई सियोल और आसपास के इलाकों में पाए गए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक गुब्बारे उड़ाए और अब तक लगभग 100 गुब्बारे राजधानी और इसके आसपास के ग्योंगगी प्रांत में उतरे हैं। गुब्बारों में कोई खतरनाक सामग्री नहीं पाई गई, इसमें केवल स्क्रैप पेपर, प्लास्टिक के टुकड़े और बोतलें थी। उत्तर कोरिया ने अपना नवीनतम गुब्बारा अभियान बुधवार को फिर से शुरू किया, जो लगातार चौथे दिन शनिवार को भी जारी रहा। मई के अंत से, दक्षिण कोरिया के कार्यकर्ताओं द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के प्रति जवाबी कार्रवाई में उत्तर कोरिया ने कचरा ले जाने वाले हजारों गुब्बारे छोड़े हैं। शुरुआत में इन गुब्बारों में खाद को दक्षिण की ओर भेजा जाता था। इसके बाद खाद की जगह स्क्रैप पेपर, प्लास्टिक और फिर प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग किया जाने लगा। नए अभियान के शुरू होने के बीच लगभग एक महीने का अंतराल था जो 10 अगस्त से शुरू हुआ था। ऐसे अभियानों के जवाब में, दक्षिण कोरिया की सेना 21 जुलाई से सीमा पर लाउडस्पीकरों के माध्यम से दैनिक उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार प्रसार कर रही है। उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग विरोधी पर्चे और लाउडस्पीकर अभियानों के खिलाफ इस डर से कड़ा रुख अपनाया है कि बाहरी सूचनाओं की आमद किम जोंग-उन शासन के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

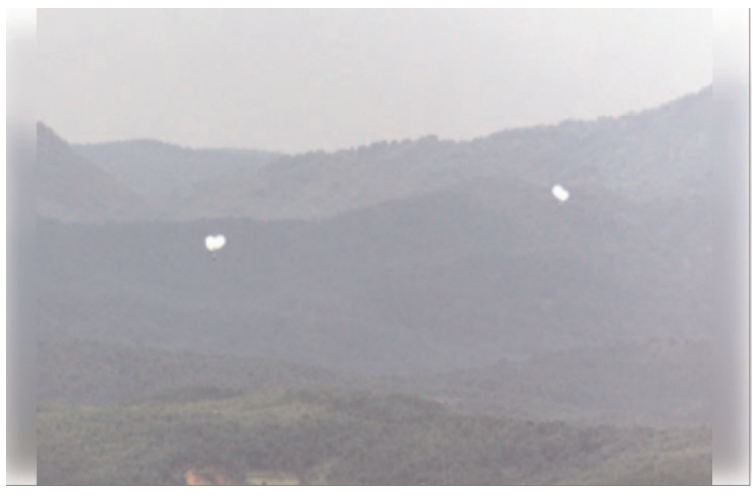

ब्रिटेन : प्रशासन के कब्जे से मुक्त हुआ द बॉडी शॉप

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के कॉस्मेटिक्स दिग्गज माइक जटानिया ने ब्रिटेन के संकटग्रस्त सौंदर्य ब्रांड की श्रृंखला द बॉडी शॉप को प्रशासन के चंगुल से मुक्त करा लिया है। एक सौदे के तहत माइक जटानिया ब्रांड में अपना निवेश करेगा, जिससे ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और अमेरिका में स्थित इसके स्टोर की श्रृंखलाएं काम करती रहेंगी। द गार्जियन अखबार के अनुसार, जटानिया की ग्रोथ कैपिटल फर्म ऑरेलियस के नेतृत्व में एक बॉडी शॉप इंटरनेशनल की सभी संपत्तियां खरीद लीं। सौदे के तहत इसके ब्रिटेन के अलावा ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिका स्थित स्टोर का नियंत्रण हासिल कर लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद बुलडोजर कार्यवाही, सैयदपुरा में अवैध निर्माणों का सफाया

सूरत । शहर के सैयदपुरा इलाके में कुछ विधर्मियों द्वारा बीती रविवार की रात गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद आज सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। एसएमसी प्रशासन ने भारी पुलिस सुरक्षा के साथ शहर के सैयदपुरा समेत आसपास बने अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया। एसएमसी की कार्यवाही से अवैध निर्माणों करनेवालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सैयदपुरा इलाके में गणेश पंडाल पर हुए पथराव को लेकर आज गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शहर के मेयर, पुलिस कमिश्नर, निगम अधिकारियों समेत अन्य आला अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद हर्ष सांघवी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और पुलिस ने घर-घर जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए असामाजिक तत्वों को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने का प्रयास करनेवालों को बर्दाश्त नहीं किया सकता। हर्ष संघवी ने इस मौके पर सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि गुजरात को देश का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनाने के लिए दिन-रात काम करना है। मैं अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं से अपील करता हूं कि वे ऐसे युवाओं को सही रास्ता दिखाएं। उन्होंने कहा कि इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि कोई निर्दोष व्यक्ति जेल न जाये। दूसरी ओर गृह मंत्री के आदेश के हरकत में आए एसएमसी प्रशासन ने सैयदपुरा समेत आसपास के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। सूरत मेयर के निर्देशानुसार स्थानीय क्षेत्र से अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया गया है। सूरत के मेयर दक्षेश मवानी ने कहा कि बैठक में इन अवैध निर्माणों को लेकर भी चर्चा हुई और उन पर कार्यवाही करने का फैसला किया गया। गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के अवैध निर्माण हटाओ अभियान युद्ध स्तर पर चलाया गया है। मेयर ने कहा कि पत्थर फेंकने वाला हर व्यक्ति समाज का अपराधी है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई अवैध निर्माणों पर की गई है और आने वाले दिनों में भी यह जारी रहेगी।

गुजरात के मोरबी से सीहोर के 7 आदिवासी बंधकों को रिहा कराया

भोपाल । सीहोर जिले के शाहगंज के गांव खटपुरा के सात आदिवासी बंधकों को गुजरात के मोरबी से छुड़ाया गया है। सोमवार की रात तक वह अपने घर वापस पहुंच जाएंगे। गुजरात गए इन सात आदिवासी मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया था। रामेश्वर नामक ठेकेदार इन मजदूरों को 17000 रुपए महीने की पगार पर गुजरात के मोरबी लेकर गया था। उसके बाद मोरबी में बंधक बनाकर इन लोगों से काम लिया जा रहा था। एक आदिवासी मजदूर ने वीडियो बनाकर गुपचुप तरीके से भेजा,जब यह मामला सामने आया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का यह विधानसभा क्षेत्र है। सूचना मिलते ही कलेक्टर सीहोर द्वारा एसडीएम और तहसीलदार को बुधनी भेजा गया था। मजदूर परिवारों से मोबाइल नंबर पता करके जानकारी प्राप्त की। गुजरात के मोरबी प्रशासन को बंधक बनाने की सूचना दी गई। उसके बाद इन आदिवासी मजदूर को छुड़ाया गया। मोरबी जिला प्रशासन ने उन्हें रिहा कराकर वापस भेजा है।

इंफाल में पुलिस के खिलाफ सड़कों पर लोग

इंफाल । मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन हमलों की निंदा कर रैली निकालने के बाद, इंफाल में राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले के निकट पहुंचे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। हजारों लोगों ने टिडिम रोड पर तीन किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया और जब पुलिस ने उन्हें रोका, तब वे कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र की ओर बढ़ गए। राज्य और केंद्रीय बलों की एक टुकड़ी ने सड़क पर अवरोधक लगा दिए। घटनास्थल पुलिस मुख्यालय, राज्य सचिवालय और भाजपा कार्यालय के निकट है। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा हाल में किए गए ड्रोन हमलों की निंदा करते हुए नारे लगाए और घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने में अधिकारियों की ''अक्षमता'' की निंदा की। उन्होंने ड्रोन हमलों को रोकने में कथित रूप से विफल रहने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक को पद से हटाने की मांग करते हुए नारे लगाए।

नशे की हालात में एयरपोर्ट पर हंगामा..... मलयालम अभिनेता गिरफ्तार

कून्नूर । मलयालम अभिनेता विनायकन को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। अभिनेता पर आरोप है कि वहां कथित तौर पर नशे की हालत में एयरपोर्ट स्टाफ से बदतमीजी कर रहे थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि विनायकन कोच्चि से इंडिगो की फ्लाइट से हैदराबाद आए थे और यहां से गोवा जाने वाले थे। तभी एयरपोर्ट के गेट पर वे स्टाफ के साथ बदतमीजी करने लगे और वे पूरी तरह से नशे की हालत में थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने कहा, अभिनेता शराब के नशे में थे और उन्होंने उस हालत में काफी हंगामा किया। जिसके बाद फौरन मामला दर्ज किया गया। विनायक को आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया और उनके खिलाफ सिटी पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ। बता दें कि पिछले साल भी, मलयालम अभिनेता को एक पुलिस अधिकारी की ड्यूटी में बाधा डालने और नशे की हालत में धमकी देने और दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेता ने कथित तौर पर एर्नाकुलम टाउन नॉर्थ पुलिस स्टेशन में हंगामा किया था, जहां पुलिस ने उन्हें उनके अपार्टमेंट में उनकी पत्नी के साथ विवाद के सिलसिले में बुलाया था। विनायकन कई मलयालम फिल्मों के अलावा कई तमिल फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। साल 2023 में आई सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर में उन्होंने विलेन का रोल निभाया था जिसके बाद उनके काफी ज्यादा तारीफ मिली थी।

निलंबित आईपीएस अधिकारी दास पर महिला ने लगाया यौन शोषण का आरोप

मलप्पुरम। निलंबित आईपीएस अधिकारी सुजीत दास के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पोन्नानी की रहने वाली एक महिला ने उन पर और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। दास के अलावा, पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में पूर्व पोन्नानी सीआई विनोद वलियाट्टूर का नाम भी शामिल है, जो अब कोट्टक्कल सीआई के पद पर कार्यरत हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि पूर्व तिरूर डीएसपी वी वी बेनी, जो अब तनूर डीएसपी हैं, ने उसके साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया, लेकिन मैंने उसका विरोध किया। पोन्नानी पुलिस ने कहा कि वे प्रारंभिक जांच के बाद ही शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज करुंगा। इस बीच, बेनी ने महिला के आरोपों को प्रसारित करने वाले न्यूज चैनल के खिलाफ मलप्पुरम पुलिस प्रमुख एस शशिधरन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। मैं पुलिस प्रमुख से चैनल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। विनोद और दास ने भी आरोपों को निराधार और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करार दिया।

पटना में बेखौफ बदमाश... भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या

पटना। पटना के चौक थाना इलाके में सोमवार सुबह बदमाशों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मुन्ना शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने सोने की चेन छीनने का विरोध किया था, इसपर अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है। पटना में सोमवार सुबह एक दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां बेखौफ अपराधियों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व मंडल अध्यक्ष के साथ लूटपाट करना चाहते थे, लेकिन विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। बताया जा रहा है कि हमलावर बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष शर्मा के गले से सोने की चेन छीनना चाह रहे थे, लेकिन मुन्ना शर्मा ने उनका विरोध किया। इसपर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमाटम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। लोगों के मुताबिक एक दिन पहले ही रविवार को उनके बेटा का छेका (सगाई) हुआ था। सोमवार सुबह वे परिवार वालों को टेम्पो में बैठाने के लिए रोड पर आए थे। उनके गले में सोने की चेन थी। अपराधी घात लगाए हुए थे और उन्हें शिकार के लिए बुजर्ग मुन्ना शर्मा नजर आ गए। मौका पाकर आरोपियों ने उनके गले से सोने की चेन छीनने की कोशिश की।

राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह... एक गद्दार संघ को नहीं समझ सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिका के टेक्सास में कार्यकम के दौरान राहुल ने बीजेपी और आरएसएस पर तंज करते बयान दिया था। इसके जवाब में गिरिराज सिंह ने कहा, एक गद्दार आरएसएस को नहीं समझ सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि संघ मानता है कि भारत एक विचार है, जबकि हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है।

राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अगर उनकी दादी से आरएसएस की भूमिका के बारे में पूछने की कोई तकनीक है, तब उन्हें ऐसा करना चाहिए या इतिहास के पन्नों में झांकना चाहिए। संघ को सही मायने में समझने के लिए राहुल गांधी को कई जन्मों की जरूरत होगी। एक देशद्रोही आरएसएस को नहीं समझ सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि राहुल गांधी केवल भारत को बदनाम करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। वे इस जिंदगी में कभी भी संघ को समझ नहीं पाएंगे, क्योंकि यह भारत के मूल्यों और संस्कृति में निहित है।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा राहुल गांधी की तारीफ करने के बाद बीजेपी नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी उच्च शिक्षा, व्यापक अध्ययन और रणनीतिक सोच की वजह से उन्हें समझना आसान नहीं है। पित्रोदा का बयान तब आया, जब वे टेक्सास में भारतीय प्रवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां राहुल गांधी दौरे पर हैं। मालवीय ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी राहुल गांधी को समझना आसान नहीं होता है, उनके गुरु पित्रोदा कहते हैं। उनकी गलतियां ऐसी होती हैं, जिससे ब्लूपर्स बनते हैं। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नजरिया बीजेपी के नजरिए के विपरीत है और वह पप्पू नहीं हैं।

बड़ी साजिश- रेलवे ट्रैक पर रखा गैस सिलेंडर और पेट्रोल से भरी बोतल, बड़ा हादसा टला

कानपुर। रेलवे ट्रैक पर मिली रही संदिग्ध वस्तुओं को देखकर ऐसा लगा रहा है कि देश में कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। क्योंकि रेलवे ट्रैक के साथ बार-बार छेड़छाड़ की घटना सामने आ रही है। ताजा मामला कानपुर से है, जहां रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिला। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया। अनवरगंज-कासगंज के बीच भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस के ट्रैक पर सिलेंडर रखा हुआ मिला। बाकी बरामद सामान में कांच की पेट्रोल से भारी बोतले भी मिली हैं, जिसमें बत्ती भी लगी हुई थी (पेट्रोल बम की तरह), एक सफेद रंग का बैग भी मिला है। शक जताया जा रहा है कोई बड़ी साजिश रची गई थी। लेकिन सवाल ये अब भी है कि इस तरह की हरकत कौन कर रहा है?

ट्रेन की स्पीड ज्यादा थी, जिसकी वजह से ट्रेन को रोकते-रोकते ट्रेन सिलेंडर से जा टकराई। इसके चलते बहुत जोर सी आवाज आई। लेकिन गनीमत रही की किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इसके बाद ड्राइवर ने आरपीएफ को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे। टीम ने जांच के बाद करीब 200 मीटर दूर सिलेंडर बरामद किया। सिलेंडर भरा हुआ मिला। जांच में अन्य संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। आरपीएफ ने कहा कि साजिश की घटना से इनकार नहीं जा सकता है। फिलहाल आरपीएफ ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

इस सर्वे के बाद हरकत में आई भाजपा, अमित शाह ने महायुति के नेताओं संग की बैठक

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 9 सितंबर को महाराष्ट्र गठबंधन सरकार के घटक दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ सीट-बंटवारे समझौते पर विचार-विमर्श किया। बैठक, कथित तौर पर 45 मिनट तक चली। महायुति सरकार के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य में होने वाले अत्यधिक विवादास्पद विधानसभा चुनावों से पहले सीट-बंटवारे समझौते पर विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि बैठक के दौरान, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, साथ ही एक अन्य उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले शामिल थे।

शाह ने इस बात पर जोर दिया गठबंधन सरकार के नेताओं से कहा कि सीट-बंटवारे की व्यवस्था में सभी का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि इसकी समीक्षा के लिए तत्काल एक संयुक्त बैठक बुलाई जाए। इसके अलावा बैठक के दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि महायुति नेताओं की अगली बैठक दिल्ली में होगी, जहां सीट आवंटन को लेकर अंतिम चर्चा होगी। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि शाह की महायुति नेताओं के साथ बैठक तब हुई है जब उन्होंने महाराष्ट्र की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पिछली रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेतृत्व की बैठक की अध्यक्षता की थी। सूत्रों के मुताबिक, उस बैठक में उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की तैयारियों की समीक्षा की और बीजेपी नेताओं को लोकसभा चुनाव की गलतियों को सुधारने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

अगस्त महीने में हुए एम्पिरीकल और मास सर्वे के अनुसार, इस बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को 123 सीटें और महाविकास आघाडी को 152 सीटें मिल सकती हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं। इस बैठक में सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से हाल ही में दिए गए विवादास्पद बयानों पर भी बात की गई।

16 माह बाद भी खड़ा हुआ ये यक्ष प्रश्न... क्यों नहीं रुक रही मणिपुर में हिंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में लूट, हत्याओं और अशांति की खबरें आम हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा का दौर शुरू हुआ था। लेकिन 16 महीने बाद भी राज्य में शांति बहाल नहीं हुई। मणिपुर में हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लग सकता हैं कि वहां हिंसा में शामिल दोनों समुदायों के पास वे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध में होता है। सेना इस कदर मजबूर है कि उन्हें एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़े हैं। पहाड़ों और घाटियों में लोगों ने बंकर बना रखे हैं। अब सवाल ये उठता है कि 16 महीने बाद भी हिंसा क्यों नहीं थम रही?

इसके कई कारण हैं। आसान भाषा में पूरी लड़ाई दो जातीय समूह कुकी और मैतई के बीच है। ज्यादातर मैतई समुदाय के लोग घाटी में रहते हैं और वहीं कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर रहते हैं। हिंसा के बाद इन दोनों समुदायों का एक-दूसरे के स्थानों पर जाना बंद सा है। यही अलगाव हिंसा न थमने का एक बड़ा कारण भी है।

दोनों की अलग-अलग लोकेशन होने के चलते पूरा इलाका एक सरहद में बदल चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने अपने लिए सेफ बंकर बना लिए हैं। भारी मात्रा में हथियार दोनों के पास ही मौजूद हैं। जिससे जब मौका मिलता है तब वे एक-दूसरे पर हमला करते हैं और फिर बंकर में छिप जाते हैं। घाटी और पहाड़ी होने के चलते उन्हें रोक पाना भी मुश्किल हैं।

असम जैसे हालात गोवा में भी, राज्यपाल बोले- ईसाई घटे हैं और मुस्लम लगातार बढ़ रहे

कोच्चि(ईएमएस)। असम जैसे हालात गोवा में भी बनने लगे हैं। यहां के राज्यपाल एस. श्रीधरन पिल्लाई ने रविवार को दावा किया कि राज्य में ईसाई आबादी में तेजी से कमी आई है। वहीं मुस्लिमों की संख्या पहले के मुकाबले बढ़ गई है। उन्होंने केरल की एक चर्च में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि गोवा में ईसाई आबादी पहले के 36 प्रतिशत से घटकर 25 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा, 'मैंने एक वरिष्ठ पादरी से बात की। मैंने उन्हें बताया कि कैथोलिक समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत घटकर 25 प्रतिशत हो गया है, जबकि इस्लामी समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत पहले के तीन प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है।बता दें कि जनसंख्या के असंतुलन की बात असम, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों में भी कही जाती रही है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा तो लगातार यह कहते रहे हैं कि राज्य में मुस्लिमों की आबादी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इसकी वजह बांग्लादेश से होनी वाली घुसपैठ है।

विदेश से आए शख्स में मिले मंकीपॉक्स के लक्षण, अस्पताल में किया आइसोलेट

-स्वास्थ्य मंत्रालय पता लगा रहा किन-किन व्यक्ति के संपर्क में रहा मरीज

नई दिल्ली(एजेंसी)। मंकी पॉक्स जो दुनिया के कई देशों में फैल चुका है जिसे लेकर डब्ल्यूएचओ भी चेतावनी जारी कर चुका है। अब भारत में भी इसकी एंट्री हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हाल ही में एक मरीज विदेशे से भारत आया है, जो ऐसी कंट्री में था जहां पर मंकी पॉक्स की बीमारी फैली है। मंकी पॉक्स जैसे लक्षण होने के कारण मरीज को आइसोलेट कर दिया गया है। उसके सभी टेस्ट किए जा रहे हैं। मरीज को डेसिग्नटेड अस्पताल में आइसोलेट किया गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप मामले को देखा जा रहा है। यह पता लगाने के कोशिश की जा रही है कि कौन-कौन उस व्यक्ति के संपर्क में आया है। मंत्रालय ने कहा ऐसे मामलों से निपटने के लिए पूरी तैयार कर रखी है और किसी भी संभावित जोखिम से निपटने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं। केंद्र सरकार ने सभी राज?यों को जरूरी गाइडलाइंस जारी की हैं। साथ ही राज?यों को कोरोना वायरस की चुनौती के बीच अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। पिछले दिनों हुई स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक में यह बात सामने आई थी कि मंकीपॉक्स का दो से चार सप्ताह का संक्रमण होता है और रोगी आमतौर पर सहायता संबंधी प्रबंधन से ठीक हो जाते हैं। संक्रमित व्यक्ति के साथ लंबे समय तक साथ रहने और आमतौर पर यौन संबंध, शरीर, घाव के तरल पदार्थ के साथ सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़े, चादर का इस्तेमाल करने से होता है। बता दें डब्ल्यूएचओ ने इससे पहले जुलाई 2022 में मंकीपॉक्स को पीएचईआईसी घोषित किया था जिसके बाद मई 2023 में इसे रद्द कर दिया था। 2022 से वैश्विक स्तर पर डब्ल्यूएचओ ने 116 देशों से मंकीपॉक्स के कारण 99,176 मामले और 208 मौतें होने की बात कही थी।

नीतिश क्यों मारते हैं बार-बार पलटी... उपेंद्र कुशवाहा ने किया खुलासा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर महागठबंधन में शामिल होने की अटकलों ने जोर पकड़ा है। दरअसल ये अटकलें तब शुरू हुईं जब नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने यह कह सभी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की कि वह अब इधर-उधर नहीं जाएंगे। बिहार सीएम के बयान पर उपेंद्र कुशवाहा ने सवाल उठाकर कहा है कि जब वे एनडीए में हैं ही, तब यह कहने की क्या जरूरत है?

दरअसल, पूरा मामला तब शुरू हुआ जब बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 3 सितंबर को मुख्यमंत्री कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में नीतीश के फिर से महागठबंधन में जाने की अटकलें तेज हो गईं। इसी बीच नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे इन अटकलों को और हवा मिली। नीतीश के इस बयान पर भी बयानबाजी तेज हो गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि नीतीश जो कहते हैं, वे बिल्कुल नहीं करते हैं। महागठबंधन में थे, तब भी इसी तरह का बयान देते थे। और एनडीए में हैं तब भी वहीं बयान दे रहे हैं।

नीतीश को बोलने की जरूरत क्या है...

इधर, नीतीश के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कुशवाहा ने कहा कि नीतीश एनडीए में हैं, यह बात बिल्कुल ठीक है। राजद के साथ जाकर उन्होंने जो महसूस किया, अब दोबारा-तिबारा सवाल ही पैदा नहीं होता कि उधर जाने की बात नीतीश कुमार करें। यह बात बिल्कुल सच है, लेकिन उनसे व्यक्तिगत मेरा आग्रह है कि इस बोलने की क्या जरूरत है?

बारिश ने बदला नक्शा, अब यूपी, बिहार ही नहीं कई राज्यों को किया जलमग्न

- 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश के कहर से साफ तौर पर नजर आ रहा है कि भारत में बाढ़ का नक्शा बदल रहा है। क्योंकि पहले नक्शे में सिर्फ यूपी, बिहार, उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ का खतरा रहता था। अब शहरी जलप्रलय की सीमाएं बढ़ रही हैं। सरकार को नया नक्शा बनाने की जरूरत है।

पूरे देश में बारिश का मौसम बदल चुका है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार मानसून भी देरी से ही विदा होगा। वजह है बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के ऊपर बनने वाले चक्रवात, डिप्रेशन और लो प्रेशर एरिया। अब नया पैटर्न आ गया है तूफान का। वह बनता जमीन पर लेकिन खिसक कर समंदर में चला जाता है उसके बाद उसकी ताकत और भी बढ़ जाती है। देश में जो इलाके पहले सूखे जाने जाते थे, अब वहां तेज बारिश हो रही है। भयानक बाढ़ आ रही है या फिर दोनों ही स्थितियां हैं।

अगर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी की माने तो सबसे ज्यादा बाढ़ वाले इलाके गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में हैं। उत्तर में हिमाचल से लेकर पंजाब, बिहार, यूपी असम और अरुणाचल प्रदेश हैं लेकिन अब तो तटीय राज्यों ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी बाढ़ आ रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के 80 फीसदी जिलों में पिछले दो दशकों में बारिश की मात्रा और तीव्रता दोनों ही बढ़े हैं। इस साल सौराष्ट्र में आई बाढ़ ने यह बता दिया है। देश में पहले 110 जिले थे, जो सूखे से बाढ़ की तरफ गए थे लेकिन अब सूखे से ज्यादा बाढ़ झेलने वाले 149 जिले हैं। बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, यूपी और असम के 60 फीसदी जिले साल में एक बार जरूर चरम मौसमी आपदा का सामना करते हैं। 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे।

1973 से 2023 तक होने वाली सभी चरम आपदाओं की स्टडी रिपोर्ट में की गई है। हैरानी करने वाली बात यह है कि दिल्ली, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान की बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। वायनाड में भूस्खलन हो या फिर चमड़ी गलाने वाली गर्मी हो। वैज्ञानिक और एक्सपर्ट इनके होने का अंदाजा नहीं लगा सकते। क्योंकि इनकी तीव्रता, मात्रा अचानक बढ़ जाती है। असम के 90 फीसदी, बिहार 87 फीसदी, ओडिशा के 75 फीसदी और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 93 फीसदी जिले भारी बाढ़ की स्थिति से कभी भी परेशान हो सकते हैं।

ये स्टडी करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक अबिनाश मोहंती ने बताया कि अब गर्मी जमीन से बहकर समंदर की ओर जा रही है। जैसा अभी गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हुआ। इससे समंदर की गर्मी और बढ़ रही है। इसका असर मौसम पर पड़ता है। जैसे दक्षिण भारत में श्रीकाकुलम, कटक, गुंटूर और बिहार का पश्चिम चंपारण जो पहले बाढ़ के लिए जाना जाता था, अब वहां सूखा पड़ रहा है। ये खासतौर से मैदानी इलाकों में ज्यादा हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेरापंथाधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में क्षमापना दिवस का आयोजन

क्रांति समय | सूरत, आठ दिनों के आध्यात्मिक, साधनात्मक समृद्धि को बढ़ाने वाले और अपनी आत्मा का कल्याण करने वाले महापर्व पर्युषण के शिखर दिवस भगवती संवत्सरी के बाद का सूर्योदय जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ में क्षमापना दिवस के रूप में समायोजित हुआ. एक दिवसीय उपवास के बाद संयम विहार परिसर में ही रहने वाले श्रद्धालु जनता के अलवा डायमण्डल सिटि सूरत में रहने वाले श्रद्धालु भी अपनी मन की गांठों को खोलने व क्षमापना पर्व को मनाने के लिए सोमवार को सूर्योदय से पूर्व ही पहुंच गए थे. जनाकीर्ण बने संयम विहार के महावीर समवसरण में सूर्योदय के आसपास मंच पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अनुशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी पधारे प्रात:काल का निरव वातावरण भी श्रद्धालुओं के जयघोष से गुंजायमान हो उठा.

शांतिदूत आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं को प्रात:काल बृहद् मंगलपाठ प्रदान किया. तदुपरान्त आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री संजय सुराणा ने सभी संस्थाओं आदि की ओर से आचार्यश्री तथा समस्त चारित्रात्माओं से खमतखामणा की. साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी, साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी

व मुख्यमुनिश्री ने जनता को उद्बोधित किया.

तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने क्षमापना दिवस पर उपस्थित चतुर्विध धर्मसंघ को पावन प्रतिबोध प्रदान करते हुए कहा कि प्रश्न किया गया है कि क्षमापना से जीव को क्या मिलता है? उत्तर दिया गया है कि क्षमापना से प्रह्लाद भाव अर्थात् प्रसन्नता प्रकट होता है और सभी जीवों के प्रति मनुष्य मैत्री भाव उत्पन्न कर लेता है. इससे आदमी का भाव शुद्ध हो जाते हैं तथा इससे जीव निर्भय बन जाता है. हमने पर्युषण महापर्व की आराधना की. कल का दिन शिखर दिवस भगवती संवत्सरी के रूप में पदार्पण हुआ, जिसकी भी आराधना हुई. कितने के चौविहार व तिविहार आदि-आदि उपवास का क्रम भी रहा होगा.

हम सभी इंसान हैं तो वर्ष में बातचीत करने में, किसी अन्य प्रसंग में भी किसी से कटु व्यवहार हो सकता है. इस दिन से पुराने सभी बातों को धो दिया जाता है. क्षमा का यह पर्व बहुत महत्त्वपूर्ण है. यह विश्वमैत्री की प्रतीक हो सकता है. मेरा संदेश है कि अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस भी आयोजित हो जाए तो पूरे विश्व में मैत्री का माहौल बने, ऐसा प्रयास किया जा सकता है. चौरासी लाख जीव योनियों से व्यावहारिक रूप में खमतखामणा का प्रावधान है. मंगल प्रवचन के साथ ही आचार्यश्री ने खमतखामणा का क्रम प्रारम्भ किया तो सर्वप्रथम साध्वीप्रमुखाजी, साध्वीवर्याजी से खमतखामणा करते हुए मंगल आशीर्वाद भी प्रदान किया. आचार्यश्री ने समस्त साध्वीवृंद, समणीवृंद से भी खमतखामणा की तथा मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। देश भर में प्रवासित साध्वियों व देश-विदेश में प्रवासित समणियों से खमतखामणा की. इस प्रकार आचार्यश्री ने मुमुक्षु बहनों, श्राविकाओं से खमतखामणा की.

आचार्यश्री ने पुरुष वर्ग में सर्वप्रथम मुख्यमुनिश्री से खमतखामणा करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया. मुख्यमुनिश्री ने अपने सुगुरु के चरणों की वंदना की. आचार्यश्री ने गुरुकुलवास में दीक्षा पर्याय में सबसे बड़े मुनिश्री धर्मरुचिजी, मुनिश्री उदितकुमारजी से खमतखामणा की. इसके बाद समस्त संतों से खमतखामणा करते हुए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया. बहिर्विहारी संतों से भी खमतखामणा करने के उपरान्त श्रावक समाज से भी खमतखामणा की. मुमुक्षु भाइयों, उपासक श्रेणी, सम्पूर्ण श्रावक समाज तथा केन्द्रीय संस्थाओं के पदाधिकारियों व उनके कर्मचारियों से खमतखामणा की.

जैन शासन के अन्य साधु-साध्वियों, धर्मगुरुओं, राजनेताओं आदि से भी खमतखामणा की. आचार्यश्री ने चारित्रात्माओं को एक-एक उपवास की आलोयणा प्रदान की तथा श्रावक-श्राविकाओं को एक वर्ष में तीन उपवास की आलोयणा बताई. परम पूज्य कालूगणी के महाप्रयाण के अवसर आचार्यश्री ने उनको श्रद्धा के साथ वंदन किया. तदुपरान्त साधु-साध्वियों ने बारी-बारी से आचार्यश्री से खमतखामणा की. तदुपरान्त साधु-साध्वियों ने आपस में खमतखामणा की. श्रावक-श्राविकाओं आचार्यश्री से तथा परस्पर भी खमतखामणा की.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ गणपति महोत्सव

क्रांति समय | सूरत, वेसू स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में गणपति महोत्सव की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ की गई. महोत्सव में शनिवार को आरती के पश्चात बड़ौदा के डांस ग्रुप द्वारा कैमियो डांस की प्रस्तुति दी गई. रविवार को गिगल्स एंड गेम्स कार्निवल, कुक विदाउट फायर, फैंसी ड्रेस आदि का आयोजन किया गया.

रविवार को सोसायटी के सभी निवासियों द्वारा भव्य यात्रा के साथ गणेशजी को दुपट्टा अर्पण किया गया. ज्ञात रहे की नंदिनी-1 सोसायटी के गणपति महोत्सव को देखने आसपास की सोसायटियों से भी लोग आते है. महोत्सव में अनेकों सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन आगामी दिनों में किया जाएगा.

हाथी घोड़ा बग्गियों के साथ तपस्वियों का आज निकलेगा वरघोड़ा

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में सोमवार 9 सितंबर को तपस्वियों का पारणा हुआ. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि संवत्सरी महापर्व की भव्य आराधना करके सोमवार 9 सितंबर को 51 उपवास और महामंगलकारी सिद्धितप का शाही पारणा सुबह 8 बजे श्री मोढ वणिक वाड़ी में हुआ. सुबह की नवकारसी, दोपहर और शाम का श्री संघ स्वामीवात्सल्य श्री शालीभद्रपुरम भोजन खंड में हुआ. इसके लाभार्थी शा शांतीलालजी लालचंदजी केवलचंदजी मंडोवरा परिवार सिणधरी, सूरत था.

आज 10 सितंबर को वरघोडा निकाला जाएगा. डेढ़ से दो किमी की लंबी वरघोड़ा यात्रा में दो हाथी, पांच घोड़े, 51 बग्गियां सहित अन्य का आकर्षण रहेंगे. शेरगढ़ सिणधरी सांचौर पट्टी के करीब 300 तपस्वी वरघोड़े में आस्नित रहेंगे. पाल के मुख्य मार्गो से यह भव्य वरघोड़ा निकलेगा.

सैयदपुरा में पत्थरबाजी के बाद 4100 वर्ग फुट में अवैध निर्माण ढहाए गए

क्रांति समय | सूरत, गणेश पंडाल में पत्थरबाजी की घटना के बाद पुलिस के साथ सूरत महानगरपालिका के अधिकारी भी हरकत में आ गए हैं. सैयदपुरा क्षेत्र में पत्थरबाजी की घटना असामाजिक तत्वों द्वारा की गई थी, जिसके बाद मनपा के अधिकारी बुलडोजर लेकर वहां पहुंचे. करीब 4100 वर्ग फुट के क्षेत्र में अवैध रूप से बनाए गए तीन टिन शेड और कच्चे-पक्के ठेलों को हटाया गया.

महानगरपालिका के सेंट्रल ज़ोन के अंतर्गत वार्ड नं. 7 सैयदपुरा क्षेत्र में स्थित सरकारी भूमि (सुडा का आरक्षण) पर लगभग 4100 वर्ग फुट के क्षेत्र में अवैध रूप से बने टिन के तीन शेड और कच्चे-पक्के ठेलों का अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई.

यह कार्रवाई ज़ोन के कार्यपालक अभियंता के सीधा निर्देश और निगरानी में शहर विकास विभाग द्वारा पुलिस विभाग के स्टाफ, वॉच एंड वॉर्ड विभाग के स्टाफ, और कतारगाम ज़ोन के अतिक्रमण विभाग के स्टाफ की सहायता से की गई. सेंट्रल ज़ोन के होडी बंगला

और सैयदपुरा पंपिंग सर्कल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया, जिसमें (1) बंद ठेला-16, (2) काउंटर-7, (3) केबिन-5, (4) लोहे/लकड़ी के टेबल काउंटर/स्टैंड-19, (5) अन्य कबाड़ सामान और फुटपाथ पर रखे शेड और ठेला-गल्ला सहित अतिक्रमण को हटाकर सामान जब्त किया गया है.

वराछा में मामूली झगड़े के बाद मां ने बेटी संग एसिड पिया, उपचार के दौरान मौत

क्रांति समय | सूरत, सूरत के वराछा क्षेत्र में 4 साल की बेटी को एसिड पिलाने के बाद मां ने खुद भी एसिड पी लिया, जिसमें उपचार के दौरान मां की मौत हो गई. पुलिस ने संभावना जताई है कि मामूली झगड़े, जैसे "तुम्हारे भाई का फोन पड़ोसी के पास क्यों आता है, मुझे फोन क्यों नहीं करता," के कारण यह कदम उठाया गया.

मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के अंकोला की मूल निवासी और वर्तमान में वराछा क्षेत्र की श्रीजीकृपा सोसाइटी में रहने वाली ज्योति अपने पति घनश्यामभाई जालंदे और परिवार के साथ रहती थीं. घनश्यामभाई एक रत्नकला (ज्वेलरी) कारीगर के रूप में काम करते हैं. ज्योति के भाई का फोन पड़ोसी के फोन पर आया, जिससे पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया.

ज्योति ने इस झगड़े से परेशान होकर अपनी 4 साल की बेटी को एसिड पिला दिया और फिर खुद भी एसिड पी लिया. जब घनश्यामभाई को

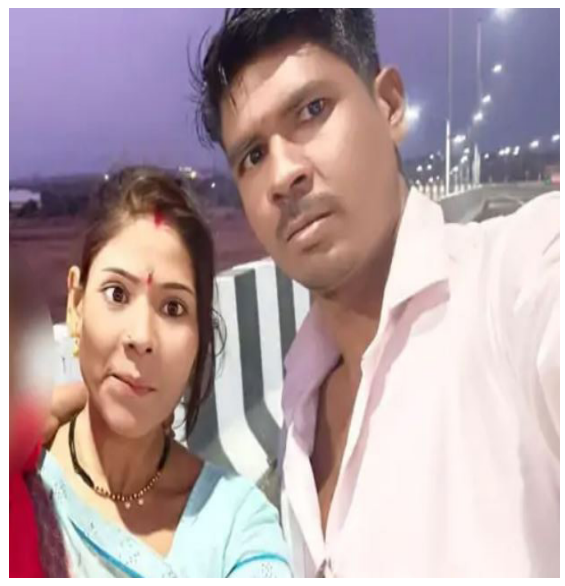

इसका पता चला, तो वह तुरंत अपनी पत्नी और बेटी को सूरत के स्मीमेर अस्पताल ले गए. अस्पताल में उपचार के दौरान ज्योति की रात में मौत हो गई, जबकि बेटी का अभी भी इलाज चल रहा है. कापोदरा पुलिस मामले की और जांच कर रही है.

सूरत के चौक बाजार और पुना में बुखार से दो युवकों की मौत

क्रांति समय | सूरत, सूरत शहर में पिछले 24 घंटों में दो युवकों की बुखार से मौत हो गई. इनमें चौक बाजार के 30 वर्षीय युवक और पुना क्षेत्र के 33 वर्षीय युवक की बुखार के बाद मौत हुई. उल्लेखनीय है कि सूरत में बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है और लगातार मौतें हो रही हैं.

मिली जानकारी के अनुसार, चौक बाजार क्षेत्र के हलपतिवास में 30 वर्षीय शनि कांतीभाई राठौड़ अपने परिवार के साथ रहते थे. वह ज्वेलरी कारीगर के रूप में काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे. शनि को चार दिनों से बुखार हो रहा था और वह पास के एक निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे थे. अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सूरत के स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई, जिससे परिवार में शोक का माहौल छा गया.

दूसरे मामले में, मिली जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मूल निवासी और पुना क्षेत्र की रॉयल टाउनशिप में रहने वाले 33 वर्षीय सतेंद्र सूरज बली अपने परिवार के साथ रहते थे. उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं. सतेंद्र एम्ब्रॉयडरी की फैक्ट्री में काम करके अपने परिवार का गुजारा करते थे. सतेंद्र को दो दिनों से बुखार था, और अचानक उन्हें उल्टियां होने लगीं और वह बेहोश हो गए. उन्हें सूरत के स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.